सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 43 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 26 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

'राज्य वीरता पुरस्कार': बहादुर बच्चों को सरकार देगी 25 हजार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के बच्चों को किसी विशेष घटना में प्रदर्शित उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और वीरता के सम्मान में 'राज्य वीरता पुरस्कार वर्ष 2025' प्रदान करने जा रही है। इस पुरस्कार के अंतर्गत 5 बालक/बालिकाओं को 25 हजार रुपए नकद राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इच्छुक अपनी प्रविष्टियां 20 दिसंबर 2025 तक जिला कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग में प्रस्तुत कर सकते हैं।

डीडीनगर में सातवीं मंजिल से गिरी लिफ्ट, दो महिलाएं घायल

रायपुर। राजधानी के डीडी नगर इलाके में अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल से अचानक लिफ्ट गिर गयी. हादसे के वक्त लिफ्ट में दो महिलाएं थी. यह हादसा मंगलवार की रात को इंद्रप्रस्थ फेस-2 में हुआ है. यहाँ डी ब्लॉक के अपार्टमेंट परिसर में लगी लिफ्ट अचानक तेज धमाके की आवाज के साथ गिर गयी. घटना के दौरान लिफ्ट में दो महिलाएं थी. बताया जा रहा है दोनों घायल है. बताया जाता है कि महिलाओं ने जैसे ही लिफ्ट का दरवाजा खोला वह बेकाबू हो गई और तेज झटके के साथ नीचे जा गिरी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

दिल्ली ब्लास्ट: उमर का एक और साथी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली ब्लास्ट केस में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने सुसाइड बॉम्बर आतंकी डॉ. उमर नबी के साथी शोएब को गिरफ्तार किया है। शोएब फरीदाबाद के धौज गांव का रहने वाला है। वह अल-फलाह यूनिवर्सिटी में वार्ड बॉय था। उस पर आरोप है कि उसने आतंकी उमर को सामान लाने और ले जाने में मदद की थी। शोएब ने ही नूंह में उमर को अपनी साली अफसाना के घर में कमरा किराए पर दिलाया था। 10 नवंबर को दिल्ली ब्लास्ट से पहले 10 दिन उमर इसी घर में रहा था। विस्फोट वाले दिन, वह नूंह से ही दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। दिल्ली ब्लास्ट केस में यह सातवीं गिरफ्तारी है।

मां काली प्रतिमा में मदर मेरी का अक्स, गोद में बच्चा

मुंबई। मुंबई में चेंबूर इलाके के एक मंदिर में देवी काली माता की मूर्ति को मदर मैरी की तरह सजाने का मामला सामने आया है। मूर्ति को क्रॉस पहनाया गया। मंदिर में लाल कपड़ा लगाया गया। काली माता के सिर पर क्राउन है। मूर्ति के आगे मोमबत्ती जलती नजर आ रही हैं। साथ ही काली माता को गोद में बच्चा लिए दिखाया गया है। मंदिर के पुजारी रमेश ने कहा कि काली माता ने उसे सपना दिया और कहा कि मदर मैरी के जैसा श्रृंगार करो। पुलिस ने पुजारी के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत की धारा में केस दर्ज किया है। फिलहाल वो 2 दिन की पुलिस रिमांड में है।

कमला पसंद/राजश्री कंपनी के मालिक की बहू ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। देश के मशहूर पान मसाला कंपनी कमला पसंद और राजश्री के मालिक कमल किशोर चौरसिया की बहू दीप्ति चौरसिया (40) ने दिल्ली के वसंत विहार स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। दीप्ती का शव पंखे से लटका हुआ मिला। शव सबसे पहले उसके पति हरप्रीत चौरसिया ने देखा। पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें दीप्ति ने अपने पति के साथ विवाद का जिक्र किया है। दीप्ति ने डायरी में लिखा है कि अगर किसी रिश्ते में प्यार और भरोसा नहीं तो फिर रिश्ते में रहने की और जीने की वजह क्या है। पुलिस के मुताबिक, दीप्ति और उनके पति अलग-अलग घरों में रहते थे। दीप्ति की 2010 में हरप्रीत चौरसिया से शादी हुई थी। दोनों का 14 साल का एक बेटा है।

सीएसआईसी 1.0 लॉन्च, भारत के साइबर सिक्योरिटी इकोसिस्टम को बनाएगा मजबूत

नई दिल्ली (ए.)। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, भारत के साइबर सिक्योरिटी इकोसिस्टम को मजबूत करने की एक ऐतिहासिक पहल के रूप में इंफोर्मेशन सिक्योरिटी एजुकेशन एंड अवेयरनेस (आईएसईए) प्रोजेक्ट के तहत साइबर सिक्योरिटी इनोवेशन चैलेंज (सीएसआईसी) 1.0 लॉन्च किया गया है।

एमईआईटीवाई के सचिव एस कृष्णन ने कॉन्सेप्ट वीडियो, वेबसाइट और रजिस्ट्रेशन पोर्टल और सीएसआईसी 1.0 की रूल बुक को पेश किया।

एस कृष्णन ने दो-आयामी राष्ट्रीय साइबर सिक्योरिटी रणनीति की आवश्यकता पर बल देते हुए उभरते खतरों के बारे में जागरूकता और टेक्नोलॉजिकल क्षमताओं को मजबूत करने की बात की।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सीएसआईसी 1.0 दोनों अनिवार्यताओं को संबोधित करता है। यह पहल छात्रों को वास्तविक दुनिया की साइबर सिक्योरिटी चुनौतियों से

अवगत करवाती है। यह न केवल स्किल्ड प्रोफेशनल्स का निर्माण करती है और साइबर सिक्योरिटी को एक व्यवहार्य करियर पथ के रूप में स्थापित करती है, बल्कि होमग्रोन, प्रोडक्ट-ऑरिएंटेड सॉल्यूशन को भी कैटैलाइज करती है, जो भारत की साइबर सिक्योरिटी को मबूत करते हैं।

डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के सीईओ विनायक गोडसे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अपनी तरह की यह अनूठी पहल छात्रों और शोधकर्ताओं को शुरुआती दौर से ही इनोवेशन करने और उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करने में सक्षम बनाती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने बताया कि आईएसईए परियोजना के अंतर्गत इनोवेशन चुनौती, मुख्य चुनौतियों की हमारी बेहतर समझ को उजागर करती है और हमें परिवर्तनकारी समाधान तैयार करने की स्थिति में लाती है।

सीईआरटी-इन के महानिदेशक डॉ. संजय बहल ने इनोवेशन को बढ़ावा देने में आईएसईए की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. बहल ने कहा कि इनोवेशन चैलेंज आरएंडडी, शिक्षा जगत और उद्योग को एकजुट करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच तैयार करता है। उन्होंने जोर देकर कहा, साइबर सिक्योरिटी में 'आत्मनिर्भरता' का निर्माण पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है, क्योंकि देश का डिजिटल परिवर्तन हमारे अपने संस्थानों से इनोवेशन की मांग करता है।

संविधान 9 नई भाषाओं में जारी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीन तलाक को खत्म करने को बताया ऐतिहासिक, की जीएसटी की सराहना

नई दिल्ली (ए.)

संसद के सेंट्रल हॉल में बुधवार को 150 वां संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को 9 नई भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में जारी किया।

राष्ट्रपति ने कहा, संसद ने तीन तलाक जैसी सामाजिक बुराई को खत्म कर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। लगभग आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, जिसने देश की आर्थिक एकता को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति ने बताया कि अनुच्छेद 370 हटाने से देश की राजनीतिक एकता में आ रही बाधा दूर हुई। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की नई शुरुआत करेगा। इस दौरान उन्होंने संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी।

दरअसल 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और दोनों सदनों के सांसद शामिल रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई को खत्म करके संसद ने हमारी बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। जीएसटी, जो आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, देश की आर्थिक एकता मजबूत करने के लिए लागू किया गया।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने से एक ऐसी रुकावट दूर हुई, जो देश की राजनीतिक एकता में बाधा बन रही थी। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का एक नया दौर शुरू करेगा।

राष्ट्रपति ने बताया कि इस साल 7 नवंबर से पूरे देश में 'वंदे मातरम' की रचना के 150 साल पूरे होने पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, संविधान दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। 26 नवंबर 1949 को इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत का संविधान तैयार करने का काम पूरा किया था। इसी दिन 'हम भारत के लोग' ने अपने संविधान को अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद संविधान सभा ने अंतरिम संसद का काम भी किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जो ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे, हमारे संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे।

मुख्यमंत्री साय ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रायपुर। संविदान दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित अंबेडकर चौक में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया। डॉ. अंबेडकर के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार ही नहीं, बल्कि समानता, न्याय और सामाजिक समरसता के अटूट स्तंभ भी रहे हैं। उपस्थित जनों ने संविधान दिवस पर डॉ. अंबेडकर के अप्रतिम योगदान को याद किया तथा संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उत्तरी छत्तीसगढ़ में शीतलहर का अलर्ट, राज्य में आज से 2 से 3 डिग्री तक गिरेगा पारा

रायपुर। मौसम विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में आज से ठंड बढ़ने की संभावना है। अनुमान है कि 2 से 3 डिग्री तक पारा गिर सकता है और उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में शीतलहर का अलर्ट भी जारी किया गया है।

इसी बीच स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि अचानक तापमान में उतार-चढ़ाव से हाइपोथर्मिया, सर्दी-जुकाम और वायरल फीवर का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए शीतलहर के दौरान अनावश्यक बाहर न निकलें, बेहद जरूरी हो तभी यात्रा करें और पूरी तरह गर्म कपड़ों का उपयोग करें।

मैदानी इलाकों की बात करें तो दुर्ग सबसे ठंडा रहा, हालांकि पिछले कुछ दिनों में यहां तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। न्यूनतम तापमान तीन दिनों में 10 डिग्री से बढ़कर 15.2 डिग्री तक पहुंच गया। रायपुर में भी न्यूनतम तापमान 13 डिग्री से बढ़कर करीब 16.8 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों में राज्य का अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री दंतेवाड़ा में और न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड हुआ। पांच दिन पहले अंबिकापुर का तापमान 6 डिग्री तक पहुंच गया था, जो पिछले दस वर्षों में नवंबर में पहली बार दर्ज किया गया।

अब साय कहलाएंगे 'आवास वाले बाबा' - रमन सिंह

■ गृह निर्माण मंडल का आवास मेला 2025 बन गया आवास उत्सव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के आवास मेला 2025 को मुख्यमंत्री की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा है कि भविष्य में श्री साय को आवास वाले बाबा के रूप में जाना जाएगा। इस आवास मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया था जिसे अच्छा प्रतिसाद मिला है।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि शासन के नीतिगत निर्णयों के कारण हाउसिंग बोर्ड ने केवल एक वर्ष में 700 करोड़ रुपये की संपत्ति बेचकर इतिहास रच दिया है, जो पिछले पाँच वर्षों के मुकाबले कई गुना अधिक है। उन्होंने बताया कि नई नीति के तहत प्रोजेक्ट तभी शुरू होंगे जब तीन माह में 10 प्रतिशत बुकिंग या एकमुश्त 60 प्रतिशत बुकिंग प्राप्त होगी।

मेला परिसर पहले दिन से ही गुलजार रहा। विभिन्न जिलों के किफायती और प्रीमियम आवासीय परियोजनाओं की जानकारी लेने और ऑन-द-स्पॉट बुकिंग कराने लोगों का उत्साह बना रहा। सबसे बड़ा आकर्षण रही केवल एक प्रतिशत राशि पर बुकिंग, तत्काल बैंक लोन और प्रतिदिन आयोजित होने वाले लकी ड्रॉ। इन आकर्षक ऑफर्स ने न सिर्फ खरीदारों में उत्साह बढ़ाया बल्कि बुकिंग के रिकॉर्ड भी तोड़ दिए। रायपुर और नवा रायपुर के कबीर नगर, भुरकोनी, बोरियाकला, पिरदा, सेजबहार, नरदहा और अटल नगर सेक्टर-12 फेस-2 सहित मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री आवास योजना को भी जबरदस्त प्रतिसाद मिला।

मेले के समापन समारोह के मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने इस यह प्रयास को नागरिकों के सपनों को साकार करने वाला बताया।

मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड की 2060 करोड़ रुपये की नई आवासीय परियोजनाएँ राज्य में आवास विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

तीन दिनों में 879 आवासों की बंपर बुकिंग

तीन दिवसीय मेले में 188 करोड़ रुपये के 879 आवासों की ऑन-द-स्पॉट बुकिंग हुई, जो हाउसिंग बोर्ड की अब तक की सबसे सफल उपलब्धियों में से एक है। तीसरे दिन 25 नवंबर को तो मेला अपने चरम पर पहुंच गया। रायगढ़, जशपुर, कोरबा, कांकेर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और जगदलपुर जैसी जगहों के प्रोजेक्ट्स में भारी बुकिंग दर्ज की गई।

आईआईएम, नवा रायपुर सील, 29 को आएंगे पीएम, रमन का बंगला बनेगा अस्थाई आवास

रायपुर (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की मौजूदगी में 28 से 30 नवंबर तक नवा रायपुर स्थित आईआईएम परिसर में 60वां अखिल भारतीय डीजीपी-आईजी सम्मेलन होगा। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप की टीम आज कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करेगी। डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस को लेकर नया रायपुर सील रहेगा। आयोजन में किसी तरह की अव्यवस्था ना पड़े, इसलिए मंगलवार की दोपहर को छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारियों ने सिविल लाइन स्थित डायल 112 के कंट्रोल रूम में फाइनल बैठक की। आज छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम सड़कों पर रिहर्सल करेगी। वहीं 28 नवंबर से होने वाली 3 दिवसीय डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मसलों पर चर्चा होगी। खास जोर साइबर सिक्योरिटी, आतंकवाद विरोधी प्रयास, ड्रग्स नियंत्रण, साइबर सुरक्षा, और सीमा प्रबंधन को लेकर रहेगा। पहले दिन 2, दूसरे दिन 4 और तीसरे दिन 2 सेशन होंगे। इसमें देशभर के डीजीपी और आईजी शामिल होंगे। कॉफ्रेंस में सभी राज्य अपराध नियंत्रण संबंधी प्रयासों पर प्रजेंटेशन देंगे। एक मॉडल स्टेट चुनकर कॉमन गाइडलाइन जारी हो सकेगी। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह का बंगला अस्थाई पीएम आवास बनेगा।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद का क्या काम?

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

न्यूटन के गति का तीसरा नियम कहता है, 'हर क्रिया की एक समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है'. पश्चिम बंगाल के टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने ऐलान किया है कि वो मुर्शिदाबाद में 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करेंगे. मस्जिद के निर्माण को तीन साल में पूरा कर लिया जाएगा. 33 साल पहले 6 दिसम्बर को ही बाबरी ढांचा ढहाया गया था. क्या उसकी प्रतिक्रिया इतनी देर से आई? कोई भी नया मस्जिद बाबरी कैसे हो सकता है भला? बाबर की मृत्यु 1530 में हुई थी. उसने 1526 में इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी थी. उसके बाद उसके ज्येष्ठ पुत्र हुमायूं ने गद्दी संभाली. ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हैं कि बाबर ने हुमायूं को अपना उत्तराधिकारी घोषित करते हुए एक गुप्त वसीयत भी लिखी, जिसमें सलाह दी गई थी कि वह हर धर्म के प्रति न्याय करे, गाय की बलि से बचे, और धार्मिक स्थलों को नष्ट न करे. पर ये सारी बातें इतिहास में दफ्न हो चुकी हैं. तो फिर इतने सालों बाद एक बार फिर से बाबरी का उल्लेख क्यों? दरअसल, राजनीति आज अपने सबसे गंदे स्वरूप में सामने है. पश्चिम बंगाल की जब भी बात होती है तो टीएमसी सरकार की योजनाओं की नहीं बल्कि हिन्दू मुसलमान की बातें होती हैं. बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं की बातें होती हैं. पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाने की बातें होती हैं. जब किसी प्रदेश की राजनीति ही हिन्दू बनाम मुसलमान हो जाएगी तो बाबर-हुमायूं का जिक्र भी कभी न कभी तो आएगा ही. ध्रुवीकरण कभी भी एक पक्षीय नहीं होता. इसकी समान एवं विपरीत प्रतिक्रिया होती है. यह किसी भी लाभ-हानि के आंकलन से परे होती है. हालांकि इसका कोई फायदा हुमायूं कबीर या टीएमसी को मिलेगा, इसमें पर्याप्त संदेह है. उलटे हुमायूं कबीर की इस हरकत का टीएमसी को नुकसान ही ज्यादा होगा. टीएमसी सरकार पर लगातार मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप लगते रहे हैं. राज्य में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं जो इसकी पुष्टि भी करती हैं. ऐसे में टीएमसी पूरी ताकत से इन आरोपों को झुठलाने की कोशिशें कर रही है. टीएमसी विधायक की यह हरकत, पार्टी की कोशिशों पर पानी फेरने जैसी है. भाजपा के केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि टीएमसी मस्जिद नहीं, बल्कि बांग्लादेश की आधारशिला रख रही है. हिंदुओं की लाशों पर राजनीति लंबे समय तक नहीं चलेगी. भाजपा से राज्यसभा सांसद भीम सिंह ने कहा, 'विनाश काले विपरीत बुद्धि.' ऐसे ही हथकंडों के चलते बिहार में महागठबंधन का ये हश्र हुआ है. टीएमसी अपनी ही कब्र खोद रही है. बिना वजह कांग्रेस भी विवाद में कूद पड़ी है. कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि अगर मंदिर का शिलान्यास हो सकता है तो मस्जिद का क्यों नहीं? अगले चुनाव के लिए राजनीति की बिसात बिछ चुकी है. अब बाबरी मस्जिद बने न बने, यह राजनीति के केन्द्र में तो आ ही चुकी है.

संपादकीय

शहादत का स्मरण

शांति सैनिकों को श्रद्धांजलि एक सुधार

लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय शांति सेना यानी आईपीकेएफ के पूर्व सैनिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से रोष व्याप्त रहा है कि आईपीकेएफ सैनिकों के बलिदान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब सरकार व सेना ने इस कमी को पूरा करने की दिशा में कम से कम एक पहल तो की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस युद्ध में करीब तीन हजार से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए थे। इससे पूर्व कई वीर सैनिकों को वीरता पदक से सम्मानित भी किया जा चुका है। लेकिन एक टीस के साथ कहा जाता रहा है कि यह अकसर भुला दिया जाने वाला युद्ध रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोलंबो में भारतीय शांति रक्षक सेना और पलाली में 10-पैरा के शहीदों के लिये स्मारक का निर्माण किया गया था। यह विडंबना ही है कि आईपीकेएफ के पूर्व सैनिक, शहीदों की विधवाएं और उनके परिजन राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर निजी स्तर पर स्मरणोत्सव आयोजित करते रहे हैं। निश्चित ही देश के हितों के लिये चलाये गए किसी भी सैन्य अभियान में शहीद हुए सैनिकों को सामान्य युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की तरह पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए।

> **भले ही श्रीलंकाई संकट के समाधान हेतु भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा जाना तत्कालीन सरकार का फैसला रहा हो, लेकिन वास्तव में भारतीय सैनिक राष्ट्र के हितों और सैन्य दायित्वों के लिये ही लड़े थे। इस फैसले का उद्देश्य श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा और उनके न्यायसंगत पुनर्वास के लिये पहल करना भी रहा है।**

दरअसल, ऑपरेशन पवन में शहीद हुए सैनिकों के परिजन और युद्ध में भाग लेने वाले जवान भी उन्हें पर्याप्त सम्मान दिए जाने की आस लंबे समय से रखते रहे हैं। वर्षों से उनकी मांग रही है कि साल 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम और वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध के शहीदों की याद में मनाये जाने वाले खास दिनों की तरह 'ऑपरेशन पवन' की याद में भी एक विशेष दिन की घोषणा की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर शहीद सैनिकों के परिजनों की एक टीस उन्हें दशकों से सालती रही है। चूंकि ऑपरेशन पवन में शहीद हुए कई सैनिकों का अंतिम संस्कार या दफ्नाने की प्रक्रिया विदेशी धरती पर पूरी हुई थी, इसलिए उनके परिजन शहीद सैनिकों के अवशेषों को वापस भारत लाने की नीति को सुव्यवस्थित करने की मांग करते रहे हैं। वे एक ऐसे आयोग के गठन की भी मांग करते रहे हैं जो शहीद सैनिकों के पार्थिव अवशेष को वापस भारत लाने की नीति को तार्किक बना सके। उनकी मांग रही है कि उन अवशेषों को भारत लाकर आईपीकेएफ का एक स्मारक बनाकर, उसमें सम्मान के साथ स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

निस्संदेह, किसी भी देश के वीर शहीदों के स्मारक सामूहिक स्मृति के प्रतीक होते हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक सशस्त्र बलों द्वारा दिए गए बलिदान के लिये एक सम्मान और स्मरण स्थल के रूप में चिरस्थायी श्रद्धांजलि के रूप में होते हैं। निर्विवाद रूप से इस बहुप्रतीक्षित मांग को हकीकत में बदलने के लिये चाहे कितनी भी जटिलताएं क्यों न हो, सैनिकों के पराक्रम और बलिदान को कम करके आंकने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए। यदि हम वीर सैनिकों के बलिदान को समुचित सम्मान देते हैं तो इससे तमाम सैनिकों का मनोबल बढ़ेगा। इस दिशा में अविलंब सार्थक पहल किया जाना वक्त की जरूरत ही है।

जब हम समता की बात करें तो वह एक भारतीय समाज का उदाहरण हो; जब हम स्वतंत्रता की बात करें तो उसमें स्वतंत्रता के सारे प्रतिमान दृष्टिगोचर होते हों, जब हम न्याय की बात करें तो वह हर क्षेत्र में हर भारतीय को मिलने वाला न्याय हो। तब, और सिर्फतब, हम सही अर्थों में संविधान दिवस मनाने के अधिकारी होंगे। पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी ऐसी दो तिथियां हैं जब तिरंगा लहरा कर अपना देश-प्रेम प्रकट करना हमें ज़रूरी लगता है। इसमें पहली तिथि (15 अगस्त, 1947) तो वह है जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ था और दूसरी (26 जनवरी, 1950) हमें अपने लिए एक संविधान बनाने की याद दिलाती है। हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसके अनुसार हमने अपना जीवन संचालित करने का संकल्प किया था। इसी संदर्भ में एक तिथि और भी है जो हमें अपने संविधान के प्रति निष्ठा की याद दिलाती है–वह तिथि है 26 नवम्बर। वर्ष 1949 में इसी दिन हमारी संविधान सभा ने भारत के संविधान को आत्मार्पित किया था, जो दो माह बाद देश पर लागू हुआ।

आचरण का हिस्सा बने संविधान की भावना

विश्वनाथ सचदेव

हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी माने जाने वाले बाबा साहेब अम्बेडकर की 126वीं जयंती पर, दस साल पहले, भारत सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान-दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया। तब से हर साल इस दिन कृतज्ञ राष्ट्र अपने संविधान-निर्माताओं को याद करता है, और यह संकल्प दुहराता है कि समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधार पर एक नया समाज बनायेंगे। यह भी शपथ ली जाती है कि हम सांविधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे। पर क्या हम यह काम पूरी ईमानदारी से कर रहे हैं?

हमारा संविधान हमें सिखाता है कि भारत का हर नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का क्यों न हो, समान है। समता के इस सिद्धांत का मतलब है भारतीय गणतंत्र का हर नागरिक संविधान की दृष्टि में किसी अन्य से किसी भी तरह कमतर नहीं है। सबके अधिकार बराबर हैं— और सबके कर्तव्य भी। इस समता के अभाव में न स्वतंत्रता का कुछ अर्थ रह जाता है और न ही न्याय और बंधुता का। अब हमें अपने आप से यह पूछना है कि समता के इस मानदण्ड पर हम कितने खरे उतरते हैं।

जिस जनतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपने लिए स्वीकारा है उसमें मतदान का बहुत व्यापक अर्थ है, और बहुत बड़ा अर्थ है। मतदान के द्वारा हम न केवल उनका चुनाव करते हैं जो हमारा प्रतिनिधित्व अथवा नेतृत्व करते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि हम न्याय और बंधुता के पक्ष में खड़े है; हम सिर्फअपने ही हित के लिए नहीं, अपने ही जैसे दूसरे नागरिकों के कल्याण के बारे में भी सोचते हैं। मतदान वस्तुत: व्यक्तियों का नहीं, एक व्यवस्था का चुनाव है। यह बात समझने और स्वीकारने के बाद हमें यह सोचना है कि मतदान केंद्र पर जाकर हम जो वोट डाल आये हैं, क्या वह उन आदर्शों और मूल्यों के पक्ष में हुआ है या फिर अपने स्वार्थों और अपनी अज्ञानता के चलते हम कोई घटिया समझौता कर आये हैं? ऐसा कोई भी समझौता किसी अपराध से कम नहीं होता। इसलिए, पेटी में वोट डालने अथवा मशीन का बटन दबाने से पहले जागरूक मतदाता को दस बार सोचना चाहिए कि उसका यह कार्य उस संविधान के अनुरूप है या नहीं जिसने हमें मतदान का अधिकार दिया है?

बहुत अच्छा है हमारा संविधान। एक पूरा जीवन-दर्शन झलकता है इसमें। हमारे संविधान-निर्माताओं ने हर बात को बड़ी गहराई और विस्तार से सोचा है। पर डॉक्टर अम्बेडकर ने 25 नवम्बर, 1949 को, यानी संविधान स्वीकार किये जाने से एक दिन पहले संविधान सभा में अपने आखिरी भाषण में एक चेतावनी दी थी। उन्होंने चेताया था, 'संविधान चाहे कितना ही अच्छा क्यों न हो, अगर उसे लागू करने वाले लोग अच्छे नहीं हैं तो वह विफ्ल हो जायेगा।' बड़ी शिद्दत से याद किया जाता है संविधान सभा में दिये गये उनके इस भाषण को। उन्होंने ज़ोर देकर कहा था कि समानता और बंधुत्व के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं रह जाता। तीसरी चेतावनी जो उन्होंने देशवासियों को दी थी, वह यह थी कि राजनीति में व्यक्ति-पूजा तानाशाही की ओर ले जाती है।

सवाल उठता है क्या हमारे संविधान के शिल्पी की इन बातों के बारे में हम कभी सोचते हैं? दुर्भाग्य से इस प्रश्न का उत्तर 'हां' में नहीं है। हम और हमारे नेता संविधान के प्रति आदर दिखाने में भले ही पीछे न रहते हों, पर संविधान को सिर झुकाना और बात है, संविधान के प्रति ईमानदारी से निष्ठावान होना और बात। हमने अपने बड़े-बड़े नेताओं को, सबसे बड़े नेता को भी, न जाने कितनी बार संविधान की कस्में खाते देखा है, हमारे नेता यह कहने में भी संकोच नहीं करते कि देश का संविधान उनके लिए सबसे बड़ी धार्मिक पुस्तक है। पर इस सबसे बड़ी धार्मिक पुस्तक के प्रति उनका व्यवहार कैसा है? संविधान समानता की बात करता है, हमारे नेता असमानता की होड़ में लगे दिखाई देते हैं; संविधान कहता है धर्म या जाति के आधार पर देश में कोई भेद-भाव नहीं होना चाहिए, हमारे नेता धर्म के आधार पर वोट बैंक बनाने में लगे रहते हैं। मेरा धर्म और तेरा धर्म की लड़ाई खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही। लोगों को इस बात पर भी आपत्ति है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 'रघुपति राघव राजाराम' वाले भजन में 'ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम' क्यों जोड़ दिया था! हमारा संविधान देश के नागरिकों के बीच बंधुता के आदर्श की दुहाई देता है, हम इस आदर्श की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं!

डॉक्टर अम्बेडकर ने प्राचीन भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था और परम्पराओं का हवाला देते हुए चेताया था, लोकतंत्र का यह सुनहरा इतिहास अब बीते कल की बात होकर रह गया है। अब हमें नये सिर से एक नये लोकतंत्र को सजाना है, उसे मज़बूत बनाना है। उन्होंने कहा था अपना यह प्राचीन लोकतंत्र हम एक बार खो चुके हैं, डर है, फिर न खो बैठें। सवाल उठता है वह डर हमें क्यों नहीं लगता? लगना चाहिए यह डर। और फिर इस डर से मुकाबला करने की एक उमंग भी जगनी चाहिए हमारे भीतर। जब हम अपने जनतांत्रिक संविधान की दुहाई देते हैं तो हमें डॉक्टर अम्बेडकर की इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि 'इस नये पैदा हुए जनतंत्र के लिए इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि जनतंत्र का ढांचा तो बना रहे पर वास्तविकता यह हो कि तानाशाही उसकी जगह ले ले।'

इन सारे खतरों के बारे में लगातार सोचते रहने की आवश्यकता है। काल्पनिक नहीं हैं ये खतरे। हम मान कर चल रहे हैं कि हमारे जनतंत्र को कोई खतरा नहीं है, बहुत मज़बूत है हमारी बुनियाद। पर यह मज़बूती खोखली भी सिद्ध हो सकती है। मज़बूत जनतंत्र का मतलब है समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आदर्शों में विश्वास करने वाला जनतंत्र। सच तो यह है कि तभी यह सही मानों में जनतंत्र कहला सकता है जब हमारे संविधान के ये चार स्तम्भ हमारी सोच और विश्वास का, हमारे व्यवहार का हिस्सा बनें। जब हम समता की बात करें तो वह एक भारतीय समाज की उदाहरण हो; जब हम स्वतंत्रता की बात करें तो उसमें स्वतंत्रता के सारे प्रतिमान दृष्टिगोचर होते हों, जब हम न्याय की बात करें तो वह हर क्षेत्र में हर भारतीय को मिलने वाला न्याय हो। तब, और सिर्फतब, हम सही अर्थों में संविधान दिवस मनाने के अधिकारी होंगे।

लेकिन समाज को बांटने वाली जो स्थितियां आज देश में दिख रही हैं, कोई धर्म की दुहाई दे रहा है, कोई जाति के नाम पर समर्थन मांग रहा है, उससे एक भय-सा लगने लगा है। विश्व कवि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने एक भय-मुक्त वातावरण में अपने देश के उदय होने की प्रार्थना की थी, वह प्रार्थना तभी पूरी हो सकती है, जब हम समाज को बांटने वाली ताकतों को सफ्ल न होने दें। नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का तकाज़ा है कि हम अपने संविधान की भावना को अपने आचरण का हिस्सा बनायें। इस संदर्भ में अभी जो दिख रहा है, वह कुल मिलाकर निराश ही करने वाला है। ज़रूरी है कि हम इस अवधारणा को अपनी सोच और व्यवहार का हिस्सा बनायें कि सबसे पहले, और सबसे बाद में भी, हम भारतीय हैं, फिर कुछ और। आमीन।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

प्रदूषण से यारी, हवा पर धुएं की सवारी

केवल गाल बजाने और अंगुली उठाने से धुआं रुकेगा नहीं। हर व्यक्ति को इसकी ज़िम्मेदारी लेनी होगी, वरना बातें रुकती कहां हैं, हवा हो जाया करती हैं!' इन दिनों एनसीआर दिल्ली में बात निख़ालिस हवा पर टिकी है। कहते हैं वह बिना बात के बिगड़ गई है? बातें तो अक्सर हवा हो जाया करती हैं। सारी सीमाएं तोड़कर कहीं भी पहुंचने में सक्षम हो जाती हैं। उन कानों तक भी पहुंच जाती हैं जहां नहीं पहुंचना चाहिए। बिगड़ी बातें फ़ौरन हवा होती हैं। कानों-कान हो जाती हैं और फिर बिगड़ी बात बनने की कोई गुंजाइश नहीं रहती। बात बिगड़ती ही चली जाती है!!

अभी हवा, धुएं की बुरी संगत में है। धुआं किसी का सगा नहीं होता। आग का भी नहीं, जिससे वह पैदा होता है! धुआं अपनी जननी को छोड़कर उड़ जाता है। हर बरस की तरह इस बार भी देश की राजधानी में जा घुसा है। आतंक फैला रहा है। दमघोंटू हो गया है। गली-मोहल्ले में बदहवास

घूम रहा है। जनपथ पर मार्चपास्ट कर रहा है। एयरपोर्ट पर यात्रियों को धमकाने में जुटा है।

कुल मिलाकर धुआं चर्चा में है। इंटरनेट पर दौड़ रहा है। व्हाट्सएप और फेसबुक पर अफ्वाहों की मानिंद फैल रहा है। अखबारों की सुर्खियां बना हुआ है। टीवी पर छाया हुआ है। मास्क व्यापारियों की उगाही का हथियार बना हुआ है। धुएं पर सवार सवाल, जुबान दर जुबान जुगाली हो रहे हैं। इन सवालों के न कोई जवाब हैं, न ही कोई हल। किसी पत्रकार ने एक मास्कधारी नेता के सामने माइक अड़ाते हुए पूछा, 'देश की राजधानी में वायु प्रदूषण का ये हाल है? आप क्या कहेंगे?' नेताजी कार में अंतर्ध्यान होने के पूर्व उवाचे, 'आप भी मास्क लगाकर रखिए।'

धुएं का गुबार नेता जी की कार के पीछे दौड़ा। वह उनके जवाब से असंतुष्ट था। अब तो धुएं का भी दम घुटने लगा था। दिल्ली स्टेशन पहुंचकर एक यात्री के गले से लिपट गया। बिलखते हुए बोला, 'इसमें मेरी गलती नहीं है। ग़लती मानवीय भूल और लापरवाही की है। बिना आग के धुआं नहीं उठता। बिना सहारे तो मैं चल भी नहीं सकता। मेरी तासीर ऐसी है कि पैदा होते ही हवा पर सवार हो लेता हूं। जहां हवा ले जाती है वहीं चल देता हूं। राजनीति के गलियारों में अक्सर हवाएं घूमती हैं। दिल्ली के गलियारे हवाओं के लिए मुफ़ीद हैं।' धुआं अब भी संतुष्ट न था। सो बोलता ही गया, 'लोगों को अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। उनकी अज्ञानता की आग जहरीले धुएं की ज़िम्मेदार है।

वे पर्यावरण के प्रति चेतना शून्य हैं। केवल गाल बजाने और अंगुली उठाने से धुआं रुकेगा नहीं। हर व्यक्ति को इसकी ज़िम्मेदारी लेनी होगी, वरना बातें रुकती कहां हैं, हवा हो जाया करती हैं!'

जोखिम बढ़ता जाएगा

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान कॉरपोरेट अधिकारियों के साथ एक सेमीनार में शामिल हुए। वहां उन्होंने जो भाषण दिया, उससे रक्षा उत्पादन में कॉरपोरेट सेक्टर के प्रदर्शन पर सेना में बढ़ते असंतोष की झलक मिली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कॉरपोरेट सेक्टर से कहा है कि मुनाफा प्रेरित अपने कारोबार में वे कुछ राष्ट्रवाद एवं देश-भक्ति भी दिखाएं। जनरल चौहान कॉरपोरेट अधिकारियों के साथ एक सेमीनार में शामिल हुए। वहां उन्होंने जो भाषण दिया, उससे रक्षा उत्पादन में कॉरपोरेट सेक्टर के प्रदर्शन पर सेना में बढ़ते असंतोष की झलक मिली। यहां ऑपरेशन सिंदूर के कुछ ही दिन बाद दिया गया वायु सेनाध्यक्ष एयर मार्शल एपी सिंह का एक भाषण सहज याद आया, जिसमें उन्होंने रक्षा आपूर्ति में देर से सैनिकों के लिए पैदा होने वाले जोखिम का जिक्र किया था। देर का उल्लेख सीडीएस ने भी किया। इसके साथ उन्होंने दो और मुद्दे उठाए: इनमें एक है उत्पादन के पूर्णत: देसी होने के दावे और हकीकत के बीच फर्क का। दूसरा है कीमत का।

जनरल चौहान ने कहा कि कंपनियों को उत्पाद के देसी होने के संबंध में सच बोलना चाहिए। ऐसा हुआ है, जब कोई उत्पाद यह कह कर बेचा गया कि वह 70 प्रतिशत देसी है, मगर हकीकत में ऐसा नहीं था। सीडीएस के मुताबिक यह पहलू अहम है, क्योंकि इसका संबंध सुरक्षा से है। संभवत: उनका इशारा इस ओर था कि विदेशी उपकरणों के हैक होने या उनसे सूचनाएं उनके स्रोत देश में पहुंच जाने की आशंका रहती है। ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल कंपनियां इसलिए करती हैं, क्योंकि वे किफायती पड़ती हैं। कीमत के मुद्दे पर सीडीएस ने कंपनियों को सलाह दी कि वे प्रतिस्पर्धी लागत से उत्पाद तैयार करें, ताकि विदेशों में भी उनको बाजार मिल सके। ये सब बातें तब कही गई हैं, जब भारत में रक्षा उत्पादन के उत्तरोत्तर निजीकरण एवं रक्षा निर्यात बढ़ने की कहानियां चर्चा में हैं।

कांग्रेस को अब आत्ममंथन की जरूरत नहीं

श्रुति व्यास

कांग्रेस को अब आत्ममंथन की ज़रूरत नहीं है बल्कि कायाकल्प याकि राजनीतिक पुनर्जन्म, या फिर एक शांत, गरिमापूर्ण राजनैतिक मौत की जरूरत है। लोकसभा चुनावों को डेढ़ वर्ष बीते हैं। और इस दौरान कांग्रेस हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली तथा अब बिहार में हारी है। 'हार' कहना भी नरम शब्दों में बात रखना है। ग्यारह वर्षों से यह पार्टी सिर्फ़ हार ही नहीं रही है; वह धीरे-धीरे सड़ और गल भी रही है।

फिर भी, गांधी परिवार ने बुजुर्ग मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे खंडहरों का रखवाला बनाकर हकीकत को नकारा हुआ है। मानों जैसे कांग्रेस के कैलेंडर में अभी भी वर्ष 2004 दर्ज हो। राहुल गांधी और उनके इनर सर्कल (यदि कोई है तो) की मौजूदा तेज, फुर्तीली, स्पर्धात्मक दुनिया में ले दे कर मैराथन दौड़ वाली चाल हैं—धीमे, गंभीर, शायद नैतिक, लेकिन वक्त के साथ पूरी तरह बेमेल। इसलिए क्योंकि समय स्प्रिंट का है जबकि कांग्रेस अपनी ही थकाऊ लय में दबी पड़ी है।

बिहार में जो हुआ, वह सिर्फ़ चुनावी गणित या किसी गठबंधन की टिकाऊ शक्ति का कमाल नहीं है। यह उस राजनीतिक समय, संस्कृति का प्रमाण है जिसे भाजपा ने साधा हुआ है और कांग्रेस जिसे अब भी समझ नहीं पा रही। नरेंद्र मोदी भाजपा मतदाताओं से बीते कल को याद करने की अपील नहीं करते; वह उन्हें भविष्य की कल्पना करने को कहते है—चाहे वह विवादित हो, असमान हो, जोखिमभरी हो। इसके उलट कांग्रेस अब भी एक मुक्तिकार की भाषा बोलती है—जैसे भारत उसके इंतज़ार में बैठा हो और वही आकर उसे बचाएगी।

लोकसभा 2024 के समय राजनीतिक विमर्श में एक दरार थी। लेकिन दरारें खुद-ब-खुद क्रांतियाँ नहीं बनतीं। उन्हें ढांचा चाहिए,

निरंतरता चाहिए, और उसे ऐसे विपक्ष की ज़रूरत होती है जो यह जानता हो कि वह वर्तमान को किस भविष्य से बदलना चाहता है, न कि केवल किसे हटाना है। यहीं पर कांग्रेस कमज़ोर पड़ती है—उसके पास भविष्य की कोई थ्योरी, कोई नारा, कोई झांसा भी नहीं है।

एक दशक से राहुल गांधी खुद को भारतीय गणराज्य, संविधान के संरक्षक, संस्थाओं के प्रहरी की तरह प्रस्तुत करते आ रहे हैं। जबकि अब वह पीढ़ी है, वह भीड़ है जो डेटा लीक, एग्ज़ाम स्कैम, घटते रोज़गार, और कमजोर इंटरनेट में बफरिंग करती लोकतंत्र के बीच पली है—वह संरक्षकों पर भरोसा नहीं करती। उसे न व्यवस्था के चौकीदार चाहिए, न अतीत की नैतिकता दोहराने वाले नेता। यह पीढी भीड के शौर को साधने वाले कोरियोग्राफर चाहती है—जो पहले से घूमती दुनिया को दिशा दे सके।

यह पीढ़ी सिर्फ़ ईमानदार, उजले, सफेद टी-शर्ट में सिद्धांतों की बात करने वाले नेता से प्रभावित नहीं होती। वह एक ऐसा हीरो चाहती है जो मंच पर खून-पसीना बहाता दिखे, जो शक्ति को सिर्फ वादा नहीं, प्रदर्शन, लीला के रूप में पेश करे। उसे जिम में बंद दरवाज़ों के पीछे किए गए पुश-अप्स नहीं, बल्कि राजनीति के केंद्र-मंच पर ऊँची किक मारता, मीम-रेडी, लाइव-टेलीविज़्ड योद्धा, हुंकारा मारने वाला नेता चाहिए।

जबकि राजनीति के इस एड्रेनालिन बाज़ार में कांग्रेस अब भी ज़मीर, नैतिकता बेचने निकली है। एक ऐसी पीढ़ी के बीच जो तमाशा खरीदने को प्रशिक्षित हो चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री मोदी, अपने तमाम विरोधाभासों के बावजूद, अब भी परिवर्तन के वोल्टेज में बाते और संवाद करते हैं। वही राहुल गांधी संविधान की किताब दिखाते है।

बिहार के नतीजों ने यह बात और दुखद रूप से साफ कर दी। नेपाल की युवा बगावत के बाद राहुल गांधी ऐसे बोले जैसे लद्दू किसी मानसूनी तूफ़ान की तरह भारतीय राजनीति में प्रवेश कर चुका हो। अचानक उन्हें लगने लगा कि वोट चोरी इस बेचैन पीढ़ी का नया राष्ट्रगान है। लेकिन सच्चाई अलग ही थी, तभी समझ नहीं आता उन्हें कौन सलाह दे रहा है?

पटना या पूर्णिया में हॉस्टल के बरामदों में बैठे, या चाय-स्टॉल पर रील्स स्क्रॉल करते युवाओं में कितने लोग सोच रहे हैं कि यह चुनाव ईवीएम साज़िश पर टिका है? जेन जेड तो यह मानकर चलता है कि पूरा गेम ही पहले से रिग्ड है। यह पीढ़ी एक ऐसे भारत में पली है जहाँ: एग्ज़ाम पेपर लीक हो जाते हैं (कोई बड़ी बात नहीं) , नौकरियाँ सिकुड़ती जाती हैं, किराए बढ़ते जाते हैं, नीट-यूजी ढह जाता है, पर क्या फर्क पडता है? इतना ही नहीं छात्र आत्महत्याएँ भी दुखद मौसम बनती जा रही हैं। पर विचलित कौन होता है? उनकी राजनीति मेम्स, स्क्रीनशॉट्स, लीक्स और लेट-नाइट डिस्कॉर्ड कॉल्स से बनती है—न कि उन भाषणों से जो स्कूल-प्रिंसिपल के स्वर में दिए जाएँ।

कांग्रेस इस सबको नहीं समझती, या गांधी परिवार में कोई समझाता नहीं। न उसका पुराना नेतृत्व, न उसका नया। इसलिए वह अब भी एक एलीट क्लब की तरह है, न कि राजनीति का घर। यही वजह है कि तेजस्वी यादव भी इस युवा मतदाता को पूरी तरह पकड़ नहीं सके। जेन जेड उन्नति चाहता है—लेकिन नैतिक घबराहट की कीमत पर नहीं। उसे ऐसी भाषा, ऐसा नेतृत्व, और फटाफट उसकी टूटती-फूटती दुनिया को समझने और वादा करने की हवाबाजी चाहिए। जेन जेड किसी उद्धारकर्ता का इंतज़ार नहीं कर रहा। वह चाहता है कि उसे और उसके मीम्स समझे जाए।

यह वह पीढ़ी है जो संघर्ष को रोमांटिक बनाती है। जिन माता-पिता ने वर्षों तक ऑर्गेनिक बेबी-फूड, मिलावट-रहित दाल-चावल खोजे, उनके बच्चे आज एक ऐसे ब्रह्मांड में राजनीति को स्क्रॉल कर रहे हैं जो पॉपुलिज़्म और हल्की तानाशाही के आकर्षण से भरा हुआ है। यदि राहुल गांधी सच में इस पीढ़ी से बात करना चाहते हैं, तो उन्हें इंटरनेट का सबसे ईमानदार सिद्धांत अपनाना होगा: डायर — अपना खुद का रिसर्च करें. यानी, युवाओं को बताने नहीं, उनसे सीखने की ज़रूरत है। आज राजनीति राष्ट्र की नब्ज़ पढ़ना नहीं, एक पीढ़ी के मूड को पकड़ने वाला खेल है—एक ऐसी पीढ़ी जिसने वैचारिक घोषणापत्रों को मूड-बोर्ड्स से बदल दिया है। बिहार में घोषणापत्रों से कुछ नहीं हुआ मगर हां, फटाफट खातें में पैसे की चारों तरफ गूंज हो गई। युवा भीड नेता को व्हाइट हाउस में लोगों को गले लगाते देखने का सपना देखते हैं, वे जी7 के गलियारों में चलते हुए है, न कि धान के खेतों में कीचड़ में पैर धँसाते हुए।

सो राहुल गांधी को अपने सलाहकारों से छुटकारा पाना होगा जो हर बात में फुसफुसाते हैं: डेमोक्रेसी ख़तरे में है या जात गणना और नौकरी से बात बनेगी। कड़वी सच्चाई यह है कि बहुत कम युवा भारतीय सोने से पहले लोकतंत्र की चिंता करते हैं। वे चिंता करते हैं कि: उनकी रील ट्रेंड करेगी या नहीं, उनका बैंक-अकाउंट उन्हें बैंकॉक जाकर कंटेंट बनाने देगा या नहीं। यह उनकी आपातस्थिति है। इसलिए लाल संविधान की किताब लहराना, वोट-चोरी का सुर, जाति जनगणना, और खेत-खलिहान वाली फ़ोटो-ऑप राजनीति का अर्थ है मौका चूकना। धोखा खाना। नई पीढ़ी जहरीली हवा में सांस ले रही है, डिग्रियों की कीमत गिरते देख रही है, और उम्मीद को रियल-टाइम डाउनग्रेड होते देख रही है। बावजूद इसके उसे ऐसा नेता चाहिए जो उस भाषा में बोले जो उसे उबाए नहीं।

जाहिर है युवा उद्धारकर्ता अच्छे दिनों लाने वाला नहीं तलाश रहे बल्कि वे एक ऐसी स्टोरी तलाश रहे हैं जिस पर वे ग्रोव कर सकें, जिसे वे ट्रेंड बना सकें, और जिसकी वे रील बना सकें।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

महापौर व आयुक्त ने वार्ड 36 व 53 में कार्यों का निरीक्षण

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त सुमित अग्रवाल के साथ सोमवार को वार्ड क्रमांक 36 एवं वार्ड क्रमांक 53 में जारी डामरीकरण एवं बीटी रिपेयर सड़क कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता और मजबूती की विस्तार से जानकारी ली। वार्ड 36 में पानी टंकी से मेन रोड तक पुलिस ग्राउंड के पास लगभग 20 लाख की लागत से हो रहे बीटी रिपेयर डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। वहीं वार्ड 53 में न्यू आदर्श नगर, ज़ोन 3 मार्ग क्रमांक 8 कात्यायनी मंदिर गेट से मुकेश दिल्लीवार के घर तक 39 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य का जायजा लिया गया।

धान खरीदी के लिए टोकन की लिमिट बढ़ाने की मांग

भिलाई। धान खरीदी केंद्रों में किसानों को ऑफलाइन टोकन नहीं मिल रहा है, तो कुछ सोसायटियां बारदानों की कमी से जूझ रही हैं। मिलरों द्वारा भेजे जा रहे बारदाने खराब क्वालिटी के हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने ढौर, जामुल के धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। किसानों ने उन्हें टोकन, बारदाना और व्यवस्था से जुड़ी तमाम समस्याओं से अवगत कराया। ठाकुर ने बताया कि दुर्ग जिले में ऑनलाइन टोकन सुबह 9.30 बजे खुलता है और मात्र 10-15 मिनट में सभी टोकन समाप्त हो जाते हैं। समितियां मैनुअल टोकन भी जारी नहीं कर पा रही हैं और किसान मायूस लौट रहे हैं। उन्होंने टोकन की लिमिट तुरंत बढ़ाने की मांग की है।

9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए आईसीएआई का करियर काउंसलिंग कल

भिलाई। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की करियर काउंसलिंग समिति एवं केंद्रीय भारत प्रादेशिक परिषद (सीआईआरसी) की भिलाई शाखा की ओर से 27 नवंबर को सुपर मेगा करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम, राजनांदगांव में होगा। इसमें विद्यार्थियों को सशक्त बनाने, उनके करियर संबंधी भ्रम को दूर करने तथा उन्हें पेशेवर शिक्षा विशेषकर चार्टर्ड अकाउंटेंसी के व्यापक अवसरों की जानकारी दी जाएगी। इसमें 9वीं से 12वीं तक के भिलाई, राजनांदगांव और दुर्ग के विद्यार्थी शामिल होंगे। भिलाई शाखा के अध्यक्ष सीए राजेश कुमार बाफना ने बताया कि इस करियर मार्गदर्शन के इस ईवेंट में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में बतौर अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र सिंह, राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की चेयरपर्सन नीलू शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत शामिल होंगे।

सिंधी समाज की भाईन बाई बजाज के निधन के बाद परिजनों ने पूरी की नेत्रदान की तमन्ना

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। बजाज फुट वियर एवं बजाज पॉलिमर्स के संचालक नौतन दस बजाज एवं नरेश कुमार बजाज ने अपनी माँ श्रीमती भाइन बाई बजाज के निधन के पश्चात नेत्रदान कर दो नेत्रहीन लोगों को नई रौशनी देने में मदद की।

संतराबाड़ी निवासी श्रीमती भाइन बाई बजाज के निधन के पश्चात पुत्र नौतन दास, नरेश कुमार, कन्हैया लाल, पुत्र वधु सुलोचना, जयवन्ति बजाज, पौत्री श्रद्धा, सुमन की सहमति से उनका नेत्रदान सम्पन्न हुआ। नवदृष्टि फाउंडेशन के राजेश पारख, कुलवंत भाटिया, रवि कुकरेजा, प्रभु दयाल उजाला, हरमन दुलई, सुरेश जैन, यतीन्द्र चावड़ा ने नेत्रदान प्रक्रिया में सहयोग किया।

श्री शंकराचार्य हॉस्पिटल के डॉ संदीप बचकर एवं डॉ निवेश ने

कॉर्निया कलेक्ट किये।

श्रीमती भाइन बाई बजाज के निधन का समाचार मिलते ही परिवार के नजदीकी रिश्तेदार रवि कुकरेजा ने बजाज परिवार से नेत्रदान हेतु सहमति प्राप्त की।

रवि कुकरेजा ने कहा कि बजाज परिवार समाज का बहुत ही प्रतिष्ठित परिवार है अत: भाइन बाई के नेत्रदान से निश्चित ही समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी एवं प्रतीक्षारत नेत्रहीनों को जल्द ही कॉर्निया उपलब्ध होंगे।

नौतन दस बजाज ने कहा माँ के निधन से परिवार सदमे में है किन्तु माँ के नेत्रदान से समाज का भला होगा इस निर्णय से परिवार में संतुष्टि है।

नरेश कुमार बजाज ने कहा माँ अब हमारे बीच नहीं रही लेकिन दो परिवारों के माध्यम से सदा ही हमें सुखद एहसास करवाते रहेंगी एवं हमारी स्मृतियों में रहेंगी।

विधायक रिकेश ने की 'मैत्री बाग' को सरकार को सौंपने की अपील

स्कूल, मैत्रीबाग और विद्युत व्यवस्था को लेकर बीएसपी प्रबंधन से सार्थक चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल बीएसपी के अधीन भिलाई टाउनशिप की विद्युत व्यवस्था, मैत्री गार्डन और स्कूल को लेकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन से चर्चा की है। इन तमाम विषयों को लेकर लंबी चर्चा के बाद सभी बिंदुओं पर सार्थक सहमति बनी है।

भिलाई इस्पात संयंत्र टाउनशिप स्थित मैत्री बाग को राज्य सरकार के सुपुर्द किए जाने का प्रस्ताव विधायक रिकेश सेन ने बीएसपी मैनेजमेंट को दिया जिस पर सहमति बन गई है। विधायक सेन ने बताया कि इसके लिए वो राज्य सरकार से बात करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार का पर्यटन और वन विभाग के सहयोग से मैत्री गार्डन का विकास और संचालन हो सकता है।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि मैत्री गार्डन राज्य सरकार के अधीन आने पर यहां कार्यरत कर्मचारियों की व्यवस्था भी आउटसोर्सिंग तथा केंटीन आदि संचालन में हो सकेगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र की टाउनशिप स्थित स्कूलों को बड़े शिक्षण ग्रुप्स को लीज पर दिया जा सकता है। जो विद्यार्थी अभी इन स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं उनका बारहवीं कक्षा तक शिक्षण शुल्क वर्तमान दर पर ही लिया जाएगा। आगामी 30 वर्ष लीज पर बड़े एजुकेशल ग्रुप को दिए जाने पर भी सहमति बनी है।

बीएसपी मैनेजमेंट और छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के बीच हुए एमओयू में कुछ नियम ऐसे हैं जिनको लेकर संयंत्र कर्मचारियों को नुकसान का अंदेशा है। इन कुछेक नियमों को लेकर कर्मियों ने आपत्ति की है। विधायक रिकेश सेन ने इस संबंध में जल्द ही सीएसपीडीसीएल से चर्चा की बात कही है। उन्होंने बताया कि विद्युत कंपनी से बैठक कर ऐसे क्लॉस हटाने के भी प्रयास होंगे।

आज सम्पन्न बैठक में बीएसपी एक्टिव जीएम टाउनशिप एबी श्रीनिवास, शिक्षा विभाग जीएम शिखा दुबे, जीएम डॉ नवीन जैन और डीजीएम टाउनशिप आरके गर्ग सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्लॉटर हाउस की टेस्टिंग, जल्द होगा शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-02 वैशाली नगर अंतर्गत डामरीकरण रोड, डोम शेड एवं स्लाटर हाउस का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

वार्ड क्रमांक 14 शांति नगर हनुमान मंदिर के समीप 96 लाख की लागत से नवीन डामरीकरण रोड हेतु वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन एवं निगम महापौर नीरज पाल द्वारा भूमि पूजन किया गया था। निगम आयुक्त द्वारा उक्त निर्माणाधीन रोड का अवलोकन किया गया। निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं अविलम्ब कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। वैशालीनगर थाना के पीछे पूर्व से डोम शेड निर्मित है जिसका आयुक्त ने जायजा लिया। कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता अर्पित बंजारे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा एवं स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह उपस्थित रहे। स्लाटर हाउस की कमिशनिंग एवं टेस्टिंग कार्य का अवलोकन किये। स्लॉटर हाउस निर्माण एजेंसी के इंजीनियर नीरज चौधरी ने स्थापित सभी मशीनरी के बारे में बताते हुए संचालित कर दिखाया। यहां चिकित्सक की उपस्थिति में प्रमाणन पश्चात ही पशु वध कर विक्रय हेतु दिया जाएगा। निरीक्षण में स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना एवं कमलेश द्विवेदी उपस्थित रहे।

इंटर कालेज बैडमिंटन में सेंट थॉमस बनी विजेता

भिलाई। भिलाई-3 कॉलेज में अंतर महाविद्यालयीन सेक्टर स्तरीय बैडमिंटन (महिला) स्पर्धा हुई। इसमें 17 महाविद्यालयों के खिलाड़ी शामिल हुए। स्पर्धा के सेमी फाइनल में 17 महाविद्यालयों की टीमें शामिल हुईं। सेमीफाइनल में स्वामी स्वरूपानंद महाविद्यालय हुडको, शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, सेंट थॉमस महाविद्यालय भिलाई एवं भिलाई महिला महाविद्यालय के बीच खेला गया। फाइनल में सेंट थॉमस कॉलेज ने स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज को पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया।

बीएसपी में नेशनल पेंशन सिस्टम को लेकर जागरूकता कार्यशाला

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के वित्त एवं लेखा विभाग द्वारा 24 नवंबर को बीआईटी परिसर में नेशनल पेंशन सिस्टम पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को बदलते पेंशन परिदृश्य, एनपीएस के फ्रेमवर्क तथा हाल ही में किए गए सुधारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला में एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के एनपीएस विंग के विशेषज्ञों ने भाग लिया और एनपीएस की आवश्यकता, इसके लाभ, नवीन प्रावधानों एवं दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा में इसकी भूमिका पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम तथा पवन कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के 150 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने एनपीएस विशेषज्ञों से प्रत्यक्ष रूप से प्रश्न भी पूछे।

बकाया वसूली में दुर्ग निगम की मिली बड़ी सफलता, लाखों मिले

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा जल कर वसूली को लेकर चलाए जा रहे अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। लगातार बढ़ते बकायों को देखते हुए आयुक्त सुमित अग्रवाल ने राजस्व विभाग को सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत मंगलवार को निगम राजस्व टीम विभिन्न वार्डों में पहुंची और बकाया राशि नहीं जमा करने वालों के नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई शुरू की।

उक्त अभियान के अंतर्गत उप-राजस्व निरीक्षक संजय मिश्रा एवं उनकी टीम ने आज वार्डों का निरीक्षण करते हुए बकायेदारों को नोटिस दिया तथा कर भुगतान के लिए बाध्य किया। इस दौरान कई नागरिकों ने तुरंत कर राशि जमा कर निगम कोष में सहयोग दिया।

सबसे पहले वार्ड क्रमांक 32 में पुष्पा देवी पति उम्मेद चंद जैन द्वारा 41,517 की राशि चेक के माध्यम से जमा की गई, जिससे उनके जल-कर का लंबित भुगतान साफ हुआ।

इसके अलावा वार्ड क्रमांक 34 में सुंदर फगुवा द्वारा 10,480 नगद राशि बकाया कर के रूप में जमा कराई गई, जो नल कनेक्शन काटे जाने की नोटिस के बाद दी गई। इसी वार्ड में प्रहलाद साहू ने भी 18,337 की राशि नगद में जमा कर निगम की कार्यवाही से राहत पाई। बढ़ते बकायों पर निगम चिंतित, नागरिकों से सहयोग की अपील

निगम प्रशासन ने कहा है कि जल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं नागरिक सुविधाओं के विकास हेतु कर वसूली अत्यंत आवश्यक है। निगम के राजस्व में कमी आने से कार्यों की गति प्रभावित होती है, इसलिए समय पर जल-कर भुगतान करना प्रत्येक उपभोक्ता की जिम्मेदारी है। चेतावनी के बाद भी नहीं मानने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

सीएसवीटीयू बास्केटबाल में पुरुषों की 12 टीमें खेलेंगी

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय की ओर से एकीकृत राज्य स्तरीय बॉस्केटबॉल स्पर्धा आयोजित की गई। स्पर्धा में इंजीनियरिंग, फार्मेसी और पॉलीटेक्निक कॉलेज से 12 पुरुषों की टीम और 8 महिलाओं की टीम शामिल हो रही है। प्रतियोगिता का उद्घाटन एम्स की स्त्री और प्रसूति रोग विभाग की विशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा साहू ने किया। उन्होंने कहा, खेल व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण करते हैं। कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास से सफलता मिलती है। नशा, ड्रग्स या स्टेरॉइड का प्रयोग न करें। कार्यक्रम की अध्यक्ष कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस के प्राचार्य डॉ. चंचलदीप ने की।

एसएसटीसी के 'संविद 2025' में एमजे स्कूल के इनोवेटिव मॉडल को मिला पहला स्थान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। एम. जे. स्कूल भिलाई के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत इनोवेटिव मॉडल 'स्मार्ट कार्ट' ने संविद 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता 18 नवंबर को श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस में आयोजित की गई थी।

इसी के साथ एम. जे. स्कूल में हाल ही में कई नई शैक्षणिक गतिविधियों और आधुनिक पहल की शुरुआत की गई है। विद्यालय किन्डीडेज फिनलैंड के साथ एकेडमिक कोलैबोरेशन में जुड़ा है, जिसके माध्यम से भिलाई में ही छात्रों को विश्व-स्तरीय शिक्षा प्रदान की जा रही है। यह पहल विद्यार्थियों को ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के अनुरूप अपडेटेड और भविष्य-केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध कराती है।

विद्यालय परिसर में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक प्रयोगशालाओं की उत्तम व्यवस्था की गई है, जहाँ उन्हें सैद्धांतिक के साथ-साथ व्यावहारिक गतिविधियों प्रायोगिक का भी समुचित अवसर मिलता है। एम. जे. स्कूल निरंतर इस दिशा में कार्य कर रहा है कि हर विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचारपूर्ण परिवेश और आधुनिक सुविधाओं के साथ अपने भविष्य का मजबूत निर्माण कर सके।

सेक्टर-2 भिलाई विद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा उत्सव सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा संचालित भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में 24 नवंबर को वार्षिक क्रीड़ा उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक संजय कुमार सिंह थे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर महाप्रबंधक नगर प्रशासन एबी श्रीनिवास एवं महाप्रबंधक उद्यानिकी डॉ. एनके जैन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भूतपूर्व प्राचार्य पीएस दुधे तथा शिक्षा विभाग की वरिष्ठ प्रतिनिधि—श्रीमती विभा रानी कटियार, डॉ. रेखा दिनेश पांडेय और विमल टहनगुरिया भी समारोह में उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत बैज, कैप तथा छात्राओं द्वारा पौधे भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मशाल प्रज्वलन और ध्वजारोहण के साथ हुई तथा मुख्य अतिथि ने वार्षिक क्रीड़ा उत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को राज्य स्तरीय खिलाड़ी योगिता द्वारा अनुशासन एवं खेल भावना की शपथ दिलाई गई।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि संजय कुमार सिंह

ने कहा कि खेल टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन विकसित करते हैं, जो जीवन निर्माण में अनिवार्य हैं। विशिष्ट अतिथि श्री ए. बी. श्रीनिवास ने विद्यार्थियों में विकसित अनुशासन की सराहना की, जबकि डॉ. एन. के. जैन ने विद्यालय प्रबंधन एवं प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी।

विद्यालय के प्राचार्य विजय सिंह पवार ने स्वागत उद्बोधन में वर्ष भर की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया।

सभी खेल गतिविधियों को चार सदनों—चैरिटी, फेथ, होप और पीस के बीच आयोजित किया गया। चारों सदनों ने अनुशासित मार्चपास्ट प्रस्तुत किया जिसका नेतृत्व शाला नायक रूद्र प्रताप सिंह ने किया। मंच पर योगिता निषाद द्वारा ताइक्वांडो प्रदर्शन तथा सजिथा राजेश के मार्गदर्शन में छात्राओं—दीक्षा, किरण, योगिता, सुमन और अंजलि—द्वारा प्राथमिक उपचार का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत यास्मिन एवं अर्पिता के निर्देशन में समूह नृत्य और विशाखा पांडेय, मनीषा एवं भावना द्वारा एरोबिक ड्रिल की आकर्षक प्रस्तुति दी गई।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं—दौड़, कबड्डी, गोला फेंक, लंबी कूद तथा रिले रेस में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए। सभी स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चैरिटी सदन को वर्ष 2025 का समग्र विजेता घोषित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सजिथा राजेश एवं एसके खोब्रागड़े ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में देवेंद्र कुमार साहू, पवन अग्रवाल, सविता धपवाल, एस. के. साहू, वंदना सोनवाने, गोवर्धन साहू, राजेश साहू, एम. एम. राव, परवेज़ अहमद, पद्मावती, फातहीन, पूर्णिमा एवं नेहा का विशेष योगदान रहा।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

जिला खनिज संस्थान न्यास शासी परिषद की बैठक 6 को

कोरबा। कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक 06 दिसंबर को प्रात: 11 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है।

स्काई वॉक निर्माण के चलते 27 नवंबर से वन-वे रहेगा ट्रैफिक

रायपुर। राजधानी में स्काई वॉक निर्माण तेजी से जारी है, जिसके चलते प्रशासन ने ट्रैफिक व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किया है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने 27 नवंबर से शास्त्री चौक से मेकाहारा चौक और शास्त्री चौक से मल्टीलेवल पार्किंग होकर जयस्तंभ चौक तक के मार्ग को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक एकांकी (वन-वे) घोषित कर दिया है। यह व्यवस्था एक महीने तक प्रभावी रहेगी। निर्धारित अवधि में रात के समय शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक और शास्त्री चौक से मेकाहारा रोड की ओर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। पहले 15 दिनों तक शास्त्री चौक से मल्टीलेवल पार्किंग मार्ग होकर जयस्तंभ चौक दिशा तक वन-वे लागू रहेगा, जबकि अगले 15 दिनों में शास्त्री चौक से मेकाहारा चौक की ओर मार्ग को एकांकी किया जाएगा।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने भी कराया एसआईआर सत्यापन

जशपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर अभियान के तहत मंगलवार को एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बूथ लेवल अधिकारी द्वारा उनके शासकीय आवास पहुँचकर उन्हें गणना प्रपत्र सौंपा गया। श्री सिंह ने गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ एप से सत्यापन कराया। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन अवश्य कराएं। यह कार्य 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 25 तक किया जाएगा।

राजनांदगांव में सूदखोरों से परेशान किसान ने की आत्महत्या

राजनांदगांव। 19 नवंबर की सुबह संबलपुर (सिंघोला) निवासी 49 वर्षीय रामखिलावन साहू का शव सिंघोला धान खरीदी केंद्र के पास एक पेड़ से लटका हुआ मिला। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें राजनांदगांव के सराफा कारोबार से जुड़े आरके ज्वेलर्स के संचालक तथा आढ़तिया उमेश पालीवाल और रमेश पालीवाल के नाम लिखे होने की बात सामने आई है। परिजनों का आरोप है कि रामखिलावन ने इन व्यापारियों से उधार लिया था, जिस पर 5 प्रतिशत तक की ऊंची ब्याज दर से रकम वसूली जा रही थी। घटना के छह दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

छात्रा की खुली चोटी बनाकर वायरल हुई बालोद कलेक्टर

बालोद। सोशल मीडिया पर अक्सर प्रशासनिक अधिकारियों के वीडियो वायरल होते रहते हैं, लेकिन इस बार एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने लोगों का दिल जीत लिया है। बालोद कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा औचक निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्कूल गुदुम पहुंचीं। उनकी नजर एक बच्ची पर पड़ी, जिसकी चोटी खुली हुई थी। कलेक्टर ने छात्रा को पास बुलाया और पूछा कि उसकी चोटी कैसे खुल गई, कहीं किसी से झगड़ा तो नहीं हुआ। जब छात्रा ने कहा—नहीं मैडम, किसी से लड़ाई नहीं हुई। तो दिव्या ने खुद बच्ची की चोटी बना दी।

मुक्तिधाम के सौंदर्यीकरण के लिए 32.46 लाख स्वीकृत

रायपुर। राज्य शहरी विकास अभिकरण ने रायपुर नगर निगम के लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में जोरा मुक्तिधाम के सौंदर्यीकरण के लिए 32 लाख 46 हजार रुपए मंजूर किए हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद सूडा ने रायपुर नगर निगम आयुक्त को परिपत्र जारी कर दिया है।

धर्मांतरण रोकने छत्तीसगढ़ ला रहा कड़ा कानून, चंगाई सभाओं पर प्रतिबंध

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को रोकने के लिए तैयार किया गया सख्त कानून जल्द सदन में पेश होने वाला है। गृह मंत्री की अध्यक्षता वाली समिति ने नौ राज्यों के कानून का अध्ययन कर नया ड्राफ्ट तैयार किया है। नए कानून में चंगाई सभा पर रोक, प्रलोभन से धर्मांतरण पर कठोर सजा और धर्म परिवर्तन से 60 दिन पहले प्रशासनिक अनुमति जैसे कड़े प्रावधान शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में लंबे समय से जारी धर्मांतरण बहस नए कानून के रूप में निर्णायक मोड़ ले रही है। राज्य सरकार की उच्चस्तरीय समिति ने नए धर्मांतरण विधेयक का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है. इसे आगामी शीतकालीन सत्र में सदन में पेश किया जाएगा। सरकार का दावा है कि कानून में ऐसे प्रावधान जोड़े गए हैं, जिससे प्रलोभन, दबाव या धोखे से होने वाला धर्म परिवर्तन रोका जा सके। मंत्री विजय शर्मा ने पुष्टि की कि ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया जा चुका है और सदन की प्रक्रिया पूरी होते ही कानून लागू होगा।

ड्राफ्ट के अनुसार, कोई भी व्यक्ति धर्म बदलना चाहता है तो उसे 60 दिन पहले प्रशासन को सूचना देनी होगी। जिला प्रशासन द्वारा सत्यापन और जांच के बाद ही धर्म परिवर्तन की अनुमति मिलेगी।

इसके अलावा चंगाई सभा जैसे आयोजनों पर भी रोक की तैयारी है, क्योंकि इन्हें धर्मांतरण के माध्यम के रूप में देखा जाता रहा है। समिति ने साफ किया है कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन, आर्थिक फायदा या डराकर धर्म परिवर्तन कराने वालों को आजीवन कारावास तक की सजा दी जा सकती है।

नौ राज्यों के कानून का अध्ययन कर 52 बैठकों में तैयार हुआ ड्राफ्ट

गृह मंत्री की अध्यक्षता में बनी समिति ने उड़ीसा, झारखंड, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के धर्मांतरण कानून का बारीकी से अध्ययन किया। 52 बैठकों के बाद छत्तीसगढ़ के सामाजिक और भौगोलिक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए यह ड्राफ्ट तैयार किया गया है। सरकार का दावा है कि यह कानून राज्यों में लागू मौजूदा कानूनों से ज्यादा स्पष्ट और कड़ा होगा। इसके तहत सजा के भी कड़े प्रावधान किए जा रहे हैं जिससे ऐसा करने वाले हतोत्साहित होंगे।

गुम हो गए थे शहीद लालसिंह मांझी गौरवशाली इतिहास से उठने लगा पर्दा

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुन्द। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1857 में छत्तीसगढ़ और ओड़िशा के सीमांचल में लालसिंह मांझी नायक बनकर उभरे थे, लेकिन इतिहास में उन्हें लगभग भुला दिया गया। अब जाकर उनके वीरतापूर्ण संघर्ष का इतिहास सामने आने लगा है। इतिहासकार इसमें रुचि लेने लगे हैं।

अमर शहीद लालसिंह मांझी के योगदान पर चर्चा करने के लिए 24 नवम्बर को उनके गाँव तानवट में ग्रामवासियों ने एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया। इसमें प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. फणीनदम देव और महासमुन्द के पूर्व लोकसभा सांसद चुन्नीलाल साहू भी पहुँचे।

पूर्व सांसद श्री साहू ने कहा कि लालसिंह मांझी स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी थे। हमारे छत्तीसगढ़ और ओड़िशा के गौरव थे, जो देश की आजादी की लड़ाई में शहीद हो गए। उनकी शहादत को हमेशा याद रखना हम सबका कर्तव्य है।

लालसिंह मांझी की वीरता पर शोध करने वाले डॉ. फणीनदम देव ने आजादी की लड़ाई में उनके संघर्ष की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश हुकूमत ने

वर्ष 1857 की क्रांति का सम्पूर्ण भारत में दमन कर दिया था। छत्तीसगढ़ के क्रांतिकारी योद्धा सोनाखान के वीर नारायण सिंह को रायपुर में सार्वजनिक रूप से मौत की सजा दी जा चुकी थी। ऐसे कठिन समय में वीर नारायण सिंह के सुपुत्र गोविंद सिंह ने उनके ससुराल पक्ष के हटेसिंह, कुंजलसिंह, बैरीसिंह और वीर सुरेन्द्र साय के साथ खरियार (ओड़िशा) के राजा कृष्णचंद्र देव से अपने लिए संरक्षण देने का आग्रह किया। तब राजा कृष्णचन्द्र देव ने उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी तानवट के जमींदार लालसिंह को दी। लालसिंह ने इसे अपना कर्तव्य माना और उन देशभक्तों को अपने घर शरण देकर अंग्रेजों का विरोध प्रारंभ किया। वीर नारायण सिंह के साथ विश्वासघात करने वाले महराज साय का मई 1857 में कुंजल सिंह के हाथों वध हुआ। अंग्रेज सरकार ने कुंजलसिंह पर 500 रूपए और गोविंदसिंह पर 250 रूपए का इनाम घोषित किया।

डॉ. फणीनदम देव ने बताया कि वर्ष 1857 में मई के अंत में अंग्रेजों की सेना ने तानवट के नजदीक कैम्प लगाया और बरसात के बाद लालसिंह सहित देशभक्तों की घेराबंदी शुरु कर दी, लेकिन जनसमर्थन लालसिंह के साथ था। इसलिए अंग्रेजों को सफलता नहीं मिली। तब रायपुर के डिप्टी कमिश्नर और सम्बलपुर (वर्तमान ओड़िशा) के डिप्टी कमिश्नर स्वयं आए और साथ में कैप्टन कोंकबर्न एवं कैप्टन लूसे ने 390 सशस्त्र सैनिकों के साथ लालसिंह मांझी पर आक्रमण किया, लेकिन लालसिंह ने गोरिल्ला युद्ध कौशल से अंग्रेजी सेना को धूल चटा दी। इससे अंग्रेजी सेना को शर्मिंदा होना पड़ा। ब्रिटिश प्रशासन ने बंगाल प्रेसिडेंसी के गवर्नर को पत्र लिखकर लालसिंह को पकड़ने के लिए राजा कृष्णदेव पर दबाव डालने का अनुरोध किया। अंग्रेजी हुकूमत ने राजा कृष्णदेव को मोस्ट डेंजरस किंग ऑफ इंडिया घोषित कर दिया। अंग्रेजी हुकूमत ने उस क्षेत्र को विद्रोही घाटी और लालसिंह को लुटेरा बदमाश भी घोषित किया। इसके साथ ही अंग्रेजों के सैनिकों ने गांव के धान के खेतों को जलाना, किसानों के गाय-बैलों को ले जाना और ग्रामवासियों को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। दुखी होकर लालसिंह ने अपनी प्रजा की सुरक्षा के लिए अपना बलिदान देना उचित समझा और 22 नवंबर 1860 को राजा कृष्ण चंद्र के दरबार में आत्मसमर्पण कर दिया। अगले दिन अंग्रेज कमांडर वॉलेंस ने लालसिंह मांझी को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें अपने साथ सम्बलपुर ले गया। उन्हें कालापानी की सजा दी गई जहां से वे कभी नहीं लौटे।

टूटे जलाशय की विधायक ने की समीक्षा, सुधार के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

सिहावा नगरी। मगररोड ब्लॉक के राजा डेरा जलाशय में हाल ही में तटबंध टूटने की घटना ने क्षेत्र में चिंता की लकीर खींच दी है। उपलब्ध समाचारों के अनुसार, जलाशय लगभग 15 वर्ष पूर्व लगभग 15 करोड़ में बनाया गया था, और इसकी कुल जलभराव क्षमता लगभग 7.43 एमसीएम है।

टूटने का प्रमुख कारण यह बताया गया है कि बांध की संरचना में समय-समय पर रिसाव और क्षरण हुआ करता था, और पुराने निर्माण में मरम्मत की कमी रही; वर्तमान मरम्मत कार्य इसी कमजोर हिस्सों की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए चल रहा है।

इस संदर्भ में विधायक अंबिका मरकाम ने आज राजा डेरा जलाशय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरम्मत कार्य की प्रगति, उसमें इस्तेमाल हो रही निर्माण सामग्री और तकनीकी मापदंडों की समीक्षा की, तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि बांध को भविष्य-दृष्टि से टिकाऊ और मज़बूत बनाया जाए।

विधायक ने उपस्थित ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जल संसाधन विभाग, स्थानीय प्रशासन और उच्च स्तरीय अधिकारियों के साथ समन्वय बढ़ाया जाएगा, ताकि मरम्मत का काम समुचित रूप से हो और जलाशय की पुनर्स्थापना में देरी न हो।

निरीक्षण कार्यक्रम में आसपास के कई जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद थे, जिसमें सरपंच लाला यादव, खिलावन यादव, दूज राम ध्रुव, पूर्व सरपंच करण ध्रुव, विधायक प्रतिनिधि चंदन बाफना, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राजेश साहू, बिसत साहू और क्षेत्र के अन्य कृषक एवं ग्रामीण शामिल थे।

विधायक का कहना था कि यह जिम्मेदारी सिर्फ मरम्मत की नहीं है, बल्कि जलाशय को दीर्घकालीन सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती प्रदान करने की है, ताकि भविष्य में ऐसी कोई घटना दोबारा न हो।

एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स के राष्ट्रीय सेमीनार में देश विदेश के 3040 निश्चेतना विशेषज्ञ जुटे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन देश के विभिन्न हिस्सों के बाद रायपुर में किया जा रहा है। इस बार का आयोजन रायपुर छत्तीसगढ़ में हो रहा है। अखिल भारतीय इस निश्चेतना सम्मेलन में देश के करीब 3000 विदेश से 40 विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं।

डा. माइकल पार्र अंतरराष्ट्रीय अग्रणी विशेषज्ञ सिडनी आस्ट्रेलिया से आए हैं, सीटीएलएस एक वर्कशॉप के माध्यम से यहां उपस्थित सभी निश्चेतना विज्ञानियों का प्रायोगिक तौर पर ज्ञानवर्धन करेंगे। इसके अलावा 16 और वर्कशॉप आयोजित किया जा रहे हैं।

चार जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, 4 एआईआईएमएस एवं एक आइ एल एस, वी वाई, रामकृष्ण, एनएचएमएमआई, डी के एस एवं नारायण हॉस्पिटल में रखे गए हैं। इन सभी का आयोजन 25 एवं 26

नवंबर को किया जा रहा है। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में संस्था के चेयरमेन डॉ. सुधीर टिचकुले, संगठन महासचिव डॉ. प्रदीप शर्मा, मुख्य सलाहकार डा. महेश सिन्हा एवं सेमीनार समन्वयक डॉ. अशोक त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से दी। वार्ताकारों ने बताया कि कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 28 नवंबर को शाम 6 बजे करेंगे।

पत्रकारवार्ता में निश्चेतना विशेषज्ञों ने बताया कि 27 नवंबर को कंटीन्यूअस मेडिकल एजुकेशन का आयोजन होगा। इसमें देशभर के ख्याति प्राप्त निश्चेतना विज्ञानी अपनी विशेषज्ञता का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

28, 29 और 30 नवंबर को तीन दिवसीय शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया हैं, जिसमें देश भर के निश्चेतना विशेषज्ञ अपनी निपुणता, प्रायोगिकता, एवं ज्ञान विविधता का परिचय उपस्थित छात्रों एवं डेलिगेट्स के बीच करेंगे।

इसके साथ-साथ ओरेशन मोटिवेशनल स्पीच, लीडरशिप समिट, पेपर एवं पोस्टर प्रस्तुतीकरण, क्विज का आयोजन भी किया गया है। इस सम्मेलन में आर्ट गैलरी, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समावेश किया गया है जिसमें बहुमुखी प्रतिभा के धनी निश्चेतना विशेषज्ञ अपनी प्रस्तुति देंगे।

देश भर के विशेषज्ञ बाइक एवं कार रैली के माध्यम से रायपुर शहर में निश्चेतना के प्रति सामाजिक जागरूकता का संदेश भी देंगे। एक क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें स्थानीय विरुद्ध शेष भारत की टीम आपस में मैच खेलेगी। इस सम्मेलन में देश-विदेश की 150 अलग-अलग मेडिकल डिवाइस कंपनियां हिस्सा ले रही है जो अपनी नवीनतम टेक्नोलॉजी के मशीनों का प्रदर्शन करेंगे एवं चिकित्सकों को उपकरणों में हुए विकास का परिचय कराया जाएगा।

नक्सल नेताओं की चिट्ठी पर साय ने कहा, इसमें कुछ भी नया नहीं

नक्सलियों ने की थी 15 फरवरी तक ऑपरेशन रोकने की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नक्सली हिड़मा के एनकाउंटर के बाद नक्सली संगठनों में हड़कंप मचा हुआ है। नक्सलियों ने तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लेटर लिखकर संघर्ष विराम की अपील की है। नक्सलियों के लिखे लेटर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, इसमें कोई नई बात नहीं है। राज्य में नई सरकार बनने के बाद से ही लगातार नक्सलियों से अपील की जा रही है कि वे हिंसा के रास्ते को छोड़कर मुख्यधारा में लौटें और विकास की राह पर आगे बढ़ें।

संवाद और विश्वास से संभव है

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, हमने हमेशा कहा है कि सरकार उनके लिए न्याय सुनिश्चित करेगी, जो भी रास्ता शांति और विकास का होगा, सरकार उसे पूरा समर्थन देगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, सरकार का उद्देश्य है कि वर्षों से हिंसा के कारण पिछड़ चुके क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाए और वहां रहने वाले युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाया जाए। नक्सलवाद की समस्या का समाधान केवल हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद और विश्वास से संभव है।

अन्य नेताओं ने क्या कहा?

उन्होंने उम्मीद जताई कि नक्सली संगठनों के लोग इस अपील को समझेंगे और हथियार छोड़कर समाज और राष्ट्र के हित में आगे आएंगे। सीएम ने कहा कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा में लौट आएं। उसके बाद हर तरह की बातचीत संभव है। उन्होंने सुरक्षाबल के जवानों के हौंसले को भी सलाम किया।

नक्सलियों ने जारी किया है लेटर

नक्सलियों ने तीन राज्यों के मुख्यमंत्री से अपील की है कि 15 फरवरी तक ऑपरेशन रोक दें। इस दौरान नक्सली भी कुछ नहीं करेंगे। युद्धविराम के दौरान कोई गोलीबारी नहीं हो। माना जा रहा है कि नक्सली संगठन हिड़मा के एनकाउंटर के बाद से खौफ में हैं इसलिए वो और खून खराबा नहीं चाहते।

औचक निरीक्षण में अधिकारी कर्मचारी सभी गायब

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। सोमवार सुबह 10 बजे कलेक्टर संजय अग्रवाल ने न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग स्थित कई विभागों का अचानक निरीक्षण किया, जिसमें लापरवाही की बड़ी तस्वीर सामने आई। बिना पूर्व सूचना किए गए इस औचक जांच में कई दफ्तरों में अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कलेक्टर ने कड़ा असंतोष जताया।

प्रशासन ने हाल ही में कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन अवकाश (शनिवार-रविवार) का लाभ देते हुए दफ्तर का समय सुबह 10 बजे तय किया है। इसके बावजूद कई कर्मचारी पुराने ढर्रे पर

चलते हुए अब भी 11 बजे के बाद पहुंच रहे हैं। इसी व्यवस्था की हकीकत जानने के लिए कलेक्टर अग्रवाल ने निरीक्षण किया।

सबसे खराब स्थिति उद्योग विभाग मे देखी गई, जहां निरीक्षण के दौरान केवल एक अकेला चपरासी मौजूद था।

कोषालय एवं लेखा विभाग में तो चपरासी तक नहीं मिला, जिससे कलेक्टर का गुस्सा और भड़क गया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा—जब वेतन कटेगा, तब समय की कीमत समझ आएगी। मौके पर ही उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर मंगवाकर जांच की और निर्देश दिए।

इसके विपरीत, श्रम विभाग में अनुशासन का बेहतर उदाहरण देखने मिला। कुल 37 में से 35 कर्मचारी समय पर उपस्थित थे। श्रमायुक्त ने बताया कि बायोमैट्रिक उपस्थिति लागू होने के बाद ही समय पालन में सुधार आया है। कलेक्टर ने अन्य विभागों को श्रम विभाग की कार्यप्रणाली से सीख लेने की सलाह दी।

निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि कई विभाग बायोमैट्रिक मशीन होने के बावजूद इसका उपयोग नहीं कर रहे हैं। इस पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने निर्देश दिए कि सभी कार्यालयों में बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य रूप से लागू की जाए और किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

सड़क हादसों पर पालिका सीएमओ को दिया नोटिस

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। शहर में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कटघोरा पुलिस ने नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) मुद्रिका प्रसाद तिवारी को नोटिस जारी किया है। पुलिस का कहना है कि नगर के मुख्य मार्गों पर बने डिवाइडरों के बीच उचित सांकेतक बोर्ड न होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

जारी नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द ही डिवाइडरों पर संकेतक बोर्ड नहीं लगाए गए और भविष्य में कोई सड़क हादसा होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन विशेषकर सीएमओ की होगी।

पुलिस ने बताया कि रात के समय कई स्थानों पर डिवाइडर दिखाई नहीं देते, जिसके कारण हादसे की आशंका बढ़ जाती है। नगरवासियों की शिकायतों और हाल ही में बढ़े दुर्घटनाओं के मामलों को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई है। स्थानीय लोगों ने भी नगर पालिका से सड़क सुरक्षा के प्रति लापरवाही समाप्त करने और जल्द कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि शहर में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

मांझीआठगांव एवं लंजोड़ा में हेलमेट बैंक प्रारंभ

कोंडागांव। जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में स्थित ऐसे ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है जहां सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। 'जिन्दगी का सफर सुरक्षित रखें, हेलमेट जरूर पहने' के तहत ग्राम पंचायत मांझी आठगांव तथा लंजोड़ा में हेलमेट बैंक प्रारंभ किया गया है जहां से दुपहिया सवार सफर के लिए हेलमेट प्राप्त कर सकते हैं।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

धुरंधर टैलेंटेड लोगों की जबरदस्त टीम : यामी गौतम

सच्ची घटना पर आधारित हाई-ऑक्टेन फिल्म धुरंधर अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में फिल्म मेकर्स ने ट्रेलर जारी किया, जो जमकर धमाल मचा रहा है। एक्ट्रेस यामी गौतम ने भी ट्रेलर को शानदार और कभी न भूलने वाला बताया। एक्ट्रेस यामी गौतम ने बताया कि ट्रेलर को वह कई बार देख चुकी हैं। बार-बार देखकर हैरान हैं और अपने पति, फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर की तारीफ करते नहीं थक रही हैं।

यामी ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर की तारीफ में एक लंबा पोस्ट लिखा। यामी ने लिखा, मैंने इस ट्रेलर को कई बार देख लिया है और अभी भी इसे भूल नहीं पा रही हूं। आप ऐसे ही कमाल करते हो। पागलपन असली हैज हाइप बिल्कुल रियल हैज उड़ान सबसे ऊंची हो 'धुरंधर'। अपने पति और डायरेक्टर आदित्य धर को खास अंदाज में बधाई देते हुए यामी ने लिखा, मैं आपकी सबसे बड़ी फैन हूं आदित्य धर।

पूरी ओजी टीम और मेरे वंडर बॉय' को ढेरों बधाई। इस बेहद टैलेंटेड टीम ने जो बनाया है, वह सचमुच जबरदस्त है। पकमिंग फिल्म धुरंधर हाई-ऑक्टेन स्पाई एक्शन थ्रिलर है, जो रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के गुप्त ऑपरेशन्स पर बनी है। असली घटनाओं से प्रेरित कहानी में अंडरवर्ल्ड, देशभक्ति, धोखे और जासूसी का तड़का है। फिल्म को डायरेक्ट करने के साथ ही आदित्य धर ने इसे लिखा और को-प्रोड्यूस भी किया है।

ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी प्रोड्यूसर हैं। फिल्म के म्यूजिक को शाश्वत सचदेव ने कंपोज किया है। फिल्म के स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें रणवीर सिंह एक एजेंट के किरदार में नजर आएंगे। रणवीर के साथ फिल्म में आर माधवन, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, सारा अर्जुन जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं।धुरंधर की शूटिंग देश के कई हिस्सों के साथ ही लद्दाख में भी हुई है। फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

थाई स्लिट ड्रेस में मलाइका का सिजलिंग पोज

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस और फैशनिस्ट मलाइका अरोड़ा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड फिगर और क्साली फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा का लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा हैं। मलाइका अरोड़ा का यह लुक फैशन स्टाइलिस्ट तान्या घावरी ने शेयर किया हैं। इस लुक में मलाइका ने कई सिजलिंग पोज दिए। अपने इस लुक को मलाइका ने सिल्वर नेकपीस से पूरा किया। मलाइका का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं।

मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

नी लेंथ बूट खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा फायदा

नी लेंथ बूट पहनने से न केवल आपके पैरों को ठंड से बचाव मिलता है, बल्कि वे स्टाइलिश दिखने में भी मदद करते हैं। हालांकि, सही बूट चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। खासतौर से अगर आप पहली बार खरीद रहे हैं तो कई बातें ध्यान में रखनी पड़ती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी फैशन टिप्स देते हैं, जिनसे आपको अपने लिए सही नी लेंथ बूट चुनने में मदद मिलेगी।

सही साइज चुनें

जब भी आप नी लेंथ बूट खरीदने जाएं तो सबसे पहले सही साइज पर ध्यान दें। बूट का साइज आपके पैरों के आकार और लंबाई के अनुसार होना चाहिए ताकि उन्हें पहनने में आरामदायक महसूस हो। अगर बूट छोटे होंगे तो पैरों में दर्द हो सकता है और अगरे बड़े होंगे तो चलने में दिक्कत होगी। इसलिए अपने सही साइज के बारे में पहले से पता करें।

सामग्री का चयन करें

नी लेंथ बूट की सामग्री भी अहम होती है। चमड़ा, सूती,

नायलॉन, रबर और सिंथेटिक आदि सामग्रियां आमतौर पर इन बूट्स के लिए इस्तेमाल होती हैं। चमड़े के बूट्स अधिक टिकाऊ होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं, जबकि सूती बूट्स अधिक आरामदायक होते हैं। नायलॉन और रबर के बूट्स बारिश या गीले मौसम में अच्छे रहते हैं। सिंथेटिक बूट्स कम दाम में मिलते हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता कम हो सकती है।

हील्स का चयन करें

कुछ लोग नी लेंथ बूट्स में फ्लैट हील्स पसंद करते हैं क्योंकि इससे चलने में आसानी होती है और पैर भी आरामदायक महसूस करते हैं, वहीं कुछ लोग ऊंची हील्स भी पहनना पसंद करते हैं क्योंकि इससे लुक स्टाइलिश लगता है और व्यक्ति लंबा दिखता है। अगर आप पहली बार बूट्स खरीद रहे हैं तो फ्लैट हील्स चुनना बेहतर हो सकता है ताकि चलने में कोई दिक्कत न हो।

रंग पर ध्यान दें

बूट्स का रंग भी अहम भूमिका निभाता है आपके पूरे लुक को प्रभावित करने में। काले रंग के बूट्स ज्यादातर कपड़ों के साथ मेल खाते हैं और हर मौके पर पहने जा सकते हैं। भूरे या बेज रंग के बूट्स अधिक पारंपरिक लगते हैं, जबकि लाल, नीले या हरे रंग के बूट्स अधिक फैशनेबल दिखते हैं और खास मौकों पर पहने जा सकते हैं।

डिजाइन पर गौर फरमाएं

अंत में हम बात करेंगे डिजाइन की क्योंकि डिजाइन ही तय करता है कि बूट्स कितने स्टाइलिश दिखेंगे। साधारण डिजाइन वाले बूट्स हर मौके पर पहने जा सकते हैं और इनमें ज्यादा चमक-धमक नहीं होती, वहीं जटिल डिजाइन वाले बूट्स अधिक आकर्षक दिखते हैं, लेकिन उन्हें कम मौकों पर पहना जा सकता है। इस तरह इन फैशन टिप्स की मदद से आप अपने लिए सही नी लेंथ बूट्स चुन सकते हैं।

अजय देवगन और रकुल प्रीत की मूवी

दे दे प्यार दे 2 ने मचाई धूम

दे दे प्यार दे 2 फिल्म रिलीज के दूसरे सप्ताह को पूरा करने की कगार पर खड़ी हुई है। रिलीज के दूसरे वीकेंड के बाद भी अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और आर माधवन स्टारर ये मूवी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए आगे बढ़ रही है। कमाई के मामले में दे दे प्यार दे 2 ने देश और दुनियाभर में धमाकेदार प्रदर्शन करके दिखाया है।

वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा किया पार

खासतौर पर वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में दे दे प्यार दे 2 अव्वल निकली है। रिलीज के 11वें दिन इस रोमांटिक थ्रिलर ने ग्लोबली कमाई के मामले में जादुई आंकड़ा पार कर लिया है।

अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे 2 इन दिनों सिनेमाघरों में जारी है और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से दे दे प्यार दे 2 को पॉजिटिव रिव्यू मिला है, जो इसकी कमाई का बड़ा कारण माना जा रहा है। रिलीज के 11 दिन के भीतर इस मूवी ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का जादुई आंकड़ा पार कर लिया है। इंस्टेंट बॉलीवुड की रिपोर्ट के अनुसार अब तक ग्लोबली दे दे प्यार दे 2 ने पूरी दुनिया में 100.22 करोड़ का कारोबार कर लिया है।

फिल्म की ओवरसीज कमाई 22.72 करोड़ रही है, जबिक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ये आंकड़ा 77.65 करोड़ हो गया है। इस आधार पर कहा जाए तो एक फिल्म बनने के लिए दे दे प्यार दे 2 ने अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। हालांकि, अभी अपना बजट निकालने से दे दे प्यार दे 2 कोसों दूर है, जो 130 करोड़ से ज्यादा बताया जा रहा है।

14 नवंबर 2025 को दे दे प्यार दे 2 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। इसके बाद 21 नवंबर को 120 बहादुर और मस्ती 4 जैसी नई मूवीज को रिलीज किया गया है। लेकिन, अजय देवगन की इस मूवी के आगे बाकी सभी फिल्में कमाई के मामले में फिलहाल कमजोर साबित हुई हैं और दे दे प्यार दे 2 पर इनका कोई खास असर पड़ता नहीं दिखा है।

लैपटॉप बैग खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

लैपटॉप बैग एक जरूरी सामान है, जो आपके लैपटॉप को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उसे आसानी से ले जाने में मदद करता है। सही लैपटॉप बैग चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है क्योंकि बाजार में कई प्रकार के विकल्प उपलब्ध हैं। इस लेख में हम आपको कुछ अहम सुझाव देंगे, जिन्हें ध्यान में रखकर आप अपने लिए सही लैपटॉप बैग का चयन कर सकते हैं और अपने लैपटॉप को सुरक्षित रख सकते हैं।

आकार और क्षमता पर ध्यान दें

लैपटॉप बैग खरीदते समय सबसे पहले उसके आकार और क्षमता पर ध्यान देना जरूरी है। आपके लैपटॉप का आकार क्या है, यह जानकर ही आपको यह तय करना होगा कि कौन सा बैग खरीदना सही रहेगा। अगर आपका लैपटॉप 15 इंच का है तो 15 इंच का बैग चुनें, वहीं अगर आपका लैपटॉप 17 इंच का है तो 17 इंच का बैग बेहतर रहेगा। इसके अलावा बैग में कितना सामान आ सकता है, यह भी देखना जरूरी है।

सुरक्षा सुविधाओं का चयन करें

लैपटॉप बैग में सुरक्षा सुविधाएं होना बहुत जरूरी है ताकि आपका लैपटॉप गिरने या जोर से धक्के लगने पर भी सुरक्षित रहे। इसके लिए फोम पैडिंग वाले बैग चुनें, जो आपके लैपटॉप को अच्छे से ढक सकें और उसे बाहरी आघात से बचा सकें। इसके अलावा पानी से बचाने वाले बैग भी बेहतर होते हैं क्योंकि वे बारिश या नमी से आपके लैपटॉप को बचा सकते हैं।

आरामदायक पट्टियों का चयन करें

लैपटॉप बैग खरीदते समय उसकी पट्टियों पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि लंबे समय तक बैग उठाकर रखने पर कंधे में दर्द हो सकता है। इसलिए ऐसी पट्टियों वाला बैग चुनें, जो आरामदायक हों और जिन्हें आप अपनी आवश्यकता अनुसार समायोजित कर सकें। इसके अलावा गद्देदार पट्टियों वाले बैग बेहतर होते हैं क्योंकि वे आपके कंधे को आराम देते हैं और वजन को समान रूप से वितरित करते हैं, जिससे आपका भार हल्का महसूस होता है।

स्टाइल और डिजाइन पर विचार करें

लैपटॉप बैग खरीदते समय उसका स्टाइल और डिजाइन भी अहमियत रखता है। ऐसा बैग चुनें, जो न केवल काम का हो बल्कि देखने में अच्छा भी लगे। आजकल बाजार में कई तरह के आकर्षक लैपटॉप बैग उपलब्ध हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद अनुसार चुन सकते हैं। इन पांच अहम बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सही लैपटॉप बैग चुन सकते हैं, जो न केवल आपके लैपटॉप को सुरक्षित रखेगा बल्कि आपकी यात्रा को भी सहज बनाएगा।

जेब और खंडों की जांच करें

एक अच्छा लैपटॉप बैग वो होता है, जिसमें कई जेब और खंड हों ताकि आप अपने सभी सामान आसानी से रख सकें। इसके अलावा अलग-अलग खंड होने से आपके लैपटॉप, चार्जर, हेडफोन और अन्य सामान व्यवस्थित रहेंगे। कुछ बैग्स में खासतौर से लैपटॉप रखने के लिए खंड होता है, जो इसे और भी सुरक्षित बनाता है। इसके अलावा छोटे-मोटे सामानों के लिए भी अलग-अलग जेब की सुविधा होनी चाहिए।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने मैनपुर क्षेत्र के विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र के विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उनका यह दौरा केवल प्रशासनिक समीक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने स्वयं बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों से बातचीत कर वास्तविक स्थिति को समझने का प्रयास किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने शिक्षण प्रक्रिया, विद्यार्थियों की स्थिति और स्कूल व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया।

शिक्षा मंत्री सबसे पहले प्राथमिक शाला धवलपुर पहुँचे, जहाँ उन्होंने विद्यालय की सभी गतिविधियों का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति रजिस्टर की जाँच की और नियमितता एवं समयपालन पर जोर दिया। मंत्री ने मध्याह्न भोजन योजना की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था की जानकारी ली तथा यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी बच्चा पाठ्यपुस्तकों और गणवेश जैसी आवश्यक सामग्री से वंचित न रहे। बच्चों से बातचीत के दौरान उन्होंने उनके पसंदीदा विषय, पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयों और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में पूछा तथा उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद श्री यादव हायर सेकेंडरी स्कूल धवलपुर पहुँचे। यहाँ उन्होंने सभी कक्षाओं का निरीक्षण कर विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता, विशेषकर विज्ञान और गणित जैसे प्रमुख विषयों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने शिक्षकों से बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी संबंधी योजनाओं की जानकारी ली और समय पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने निर्देश दिए। मंत्री ने अधोसंरचना विकास और अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया तथा निर्माण की गुणवत्ता और समय-सीमा का पालन अनिवार्य रूप से करने पर जोर दिया। साथ ही शिक्षकों के ऑनलाइन अवकाश प्रबंधन की भी जाँच की ताकि शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चलता रहे।

विद्यार्थियों की सहभागिता और सुझाव

निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई छात्रों ने अपनी समस्याएँ और सुझाव मंत्री के समक्ष रखे। शिक्षा मंत्री ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि सरकार बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा शिक्षा व्यवस्था में निरंतर सुधार किए जा रहे हैं।

छात्राओं से मुलाकात- मांगों पर दिया आश्वासन

शिक्षा मंत्री ने स्कूल से लौट रही हायर सेकेंडरी स्कूल मैनपुर की छात्राओं से भी बातचीत की। छात्राओं ने स्कूल भवन एवं विज्ञान विषय के शिक्षकों की आवश्यकता बताई। इस पर मंत्री श्री यादव ने उनकी माँगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया।

निरीक्षण से बढ़ा विश्वास

शिक्षा मंत्री के औचक निरीक्षण से छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में सरकार के प्रति विश्वास और उत्साह और अधिक बढ़ा है। यह निरीक्षण शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

जशपुर के युवाओं को निफ्टेम विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण

मोटा अनाज के वैल्यू-एडेड उत्पादों की ओर बढ़ते कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले में युवाओं को मोटा अनाज से तैयार होने वाले वैल्यू-एडेड खाद्य उत्पादों की ट्रेनिंग दी गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ते हुए किसानों की आमदनी बढ़ाना और गांवों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह विशेष प्रशिक्षण निफ्टेम, कुंडली (सोनीपत, हरियाणा) के ग्राम अंगीकरण कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर प्रसन्ना कुमार जी.वी. और श्री अभिमन्यु गौड़ के मार्गदर्शन में हुआ। प्रशिक्षण जशपुर नगर के महुआ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किया गया, जिसमें एनईएस कॉलेज जशपुर के 25 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में युवाओं को नानखटाई, कपकेक और न्यूट्री-बार जैसे मोटा अनाज आधारित स्वादिष्ट और पोषक उत्पाद बनाने की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी गई। इसके साथ ही उन्हें आधुनिक तकनीक, प्रोसेसिंग के तरीके और छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए जरूरी जानकारी भी प्रदान की गई। युवाओं को यह बताया गया कि कैसे मोटे और कच्चे अनाज को बाजार में बिकने वाले उच्च गुणवत्ता के उत्पादों में बदला जा सकता है।

प्रोफेसर प्रसन्ना कुमार ने युवाओं को मोटा अनाज के नए-नए उत्पाद विकसित करने और पारंपरिक तरीकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के जरिए मिलने वाली फंडिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग सपोर्ट का उपयोग करके ये युवा बड़े स्तर पर उत्पादन शुरू कर सकते हैं। निफ्टेम का लक्ष्य है कि ग्रामीण युवा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नए उद्यमी बनें और गांवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

जशपुर जिले में चावल की खेती ज्यादातर वर्षा पर निर्भर रहती है, जबकि बाजरा कम पानी में भी अच्छी फसल देता है। इसी वजह से बाजरा और महुआ को भविष्य की टिकाऊ खाद्य व्यवस्था में अहम माना जा रहा है। जशपुर में जय जंगल फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी जशप्योर ब्रांड नाम से बाजरा और महुआ के कई उत्पाद तैयार कर रही है। वहीं जावा फूल और जीराफूल जैसे स्थानीय चावल की बिक्री ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से होने लगी है।

विशेषज्ञों ने बताया कि मोटा अनाज और महुआ जैसे स्थानीय संसाधन न सिर्फ पोषण बढ़ाते हैं, बल्कि गांवों में आजीविका के नए अवसर भी पैदा करते हैं। प्रशिक्षण के बाद कई युवाओं ने कहा कि वे इन कौशलों का उपयोग अपने समुदाय के हित में करना चाहते हैं। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन और जय जंगल फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ।

जनता की समस्याओं का समय पर प्रभावी समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मंत्री अग्रवाल

ग्रामीणों की समस्याओं का किया त्वरित निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के उदयपुर तहसील अंतर्गत ग्राम घाटबर्रा में ग्रामीणों से आत्मीयता के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों की ओर से उठाए गए त्वरित समाधान योग्य मामलों का स्थल पर ही निराकरण किया, जबकि दीर्घकालिक विषयों के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में समस्या के निराकरण के निर्देश दिए गए।

मंत्री अग्रवाल ने उपस्थित ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा, जनता की समस्याओं का समय पर और प्रभावी समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास, बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन हमारा मुख्य उद्देश्य है। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ जनसेवा को प्राथमिकता दें।

ग्रामीणों ने अपनी सभी समस्याओं से पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल को अवगत कराया। मंत्री ने उनकी हर बात को गंभीरतापूर्वक सुना और मौके पर ही समाधान योग्य समस्याओं का निराकरण किया, उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेकर समय-सीमा में उसका निराकरण सुनिश्चित करें। श्री अग्रवाल के सहज, सरल और सुलभ व्यवहार से प्रभावित ग्रामीणों ने उनकी संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र का किया निरीक्षण, प्रभावी एवं आकर्षक बनाने दिए आवश्यक निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रमुख सचिव विज्ञान प्रौद्योगिकी सोनमणि बोरा ने आज क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र के परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत अमलतास के पौधे का रोपण किया। जहां विज्ञान केंद्र के प्रबंध महानिर्देशक श्री प्रशांत कवीश्वर एवं उप सचिव अंकिता गर्ग ने भी पौधरोपण किया।

प्रमुख सचिव ने विज्ञान पार्क का अवलोकन किया एवं पार्क के रंगरोगन, प्रकाश व्यवस्था आदि आवश्यक कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विज्ञान केंद्र को निःशक्त लोगों के लिए अधिक सुगम्य बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र के छत्तीसगढ़ के संसाधन जोन, अस्थाई प्रदर्शन कक्ष, मापन दीर्घा, श्री डी थियेटर आदि का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने जीपीएस के साथ नाविक की कार्यप्रणाली को भी जोड़ने को कहा। उन्होंने गाइडों की संख्या भी बढ़ाने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने विज्ञान केंद्र में श्रीडी थियेटर में मनुष्य की अंतरिक्ष की यात्रा के इतिहास को श्रीडी में देखा। उन्होंने पूरे कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए श्रीडी ग्लासेस की नियमित सफाई कराने को कहा। उन्होंने केंद्र को और अधिक दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, विद्यार्थियों के लिए अधिक रुचिकर और सुगम्य बनाने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। जिसमें प्रमुख सचिव ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को राज्य में प्रोत्साहित करने के लिए विभाग को श्रीडी प्लेनेटोरियम डोम की संख्या बढ़ा कर उन्हें स्थानीय कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, आदिम जाति कल्याण विभाग से समन्वय कर आश्रम एवं छात्रावास को भी उपलब्ध कराने को कहा। इसके साथ ही हर संभाग में डोम उपलब्ध कराने एवं विविध सार्वजनिक कार्यक्रमों में इसका प्रदर्शन कराने को कहा। विज्ञान केंद्र के सभी जोन एवं कार्यक्रमों में स्थानीय भाषा जैसे गोंडी, हल्बी, छत्तीसगढ़ी में सूचनाओं को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को राज्य में प्रोत्साहित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब, फेसबुक आदि के माध्यम से वेबिनार, टेक टॉक जैसे कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। जिससे लोगों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ाई जा सके।

उन्होंने सभी वैज्ञानिकों को आगामी वर्षों के लिए कार्ययोजना निर्माण करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने सभी जिलों में विज्ञान की प्रगति के लिए स्कूल, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में 100 से अधिक समन्वयक और 1000 से अधिक स्वयंसेवक विज्ञान दूत तैयार करने को कहा एवं अच्छा कार्य करने वाले स्वयंसेवकों एवं समन्वयकों को विज्ञान दिवस पर सम्मानित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिसर्च एंड डेवलोपमेन्ट पर ध्यान केंद्रीत करते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करने को कहा।

पीएम आवास और अन्य योजनाओं के लाभ से बदली जिंदगी

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना से जांजगीर-चांपा जिले के सोनसरी गांव के निवासी मनराखन निर्मलकर के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इस योजना में उनके वर्षों के सपने को पूरा कर दिया है। सीमित आय और आर्थिक विषमता के कारण वे जर्जर कच्चे मकान में परिवार सहित कठिन परिस्थितियों में जीवन व्यतीत कर रहे थे। बरसात के दौरान टपकती छत और भीगती दीवारें उनके लिए रोज की चुनौती बन चुकी थीं। वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें 1.20 लाख रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसके साथ ही उनके जीवन में नई उम्मीद जागी और पक्के घर के निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ। निर्माण अवधि में महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से 90 दिवस की मजदूरी प्रदान की गई। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया।

कठिनाइयां ही इंसान को मजबूत बनाती हैं: ओपी चौधरी

संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी - पद्मश्री आनंद कुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, प्रेरणा और सुनियोजित कैरियर निर्माण के उद्देश्य से प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी के विशेष पहल पर आज रायगढ जिले के पुसौर में भव्य कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद तथा सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र दिए। कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने 66 चयनित विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये स्वेच्छानुदान प्रदान करने की घोषणा की। इसके साथ ही कहा कि आगामी वर्ष कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की मेरिट सूचियों में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को 1-1 लाख रुपये शिक्षा सहायता दिया जाएगा।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सरकार युवाओं के भविष्य निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जीवन में बड़ी सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य, सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत अत्यंत आवश्यक हैं। कठिनाइयाँ ही इंसान को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने अपने छात्र जीवन के संघर्षों तथा सरकारी स्कूल से कलेक्टर और मंत्री बनने की प्रेरक यात्रा साझा करते हुए कहा कि मेहनत, निर्णय शक्ति और समय के सही उपयोग से कोई लक्ष्य असंभव नहीं। उन्होंने बताया कि केवल डिग्री को महत्व देना पर्याप्त नहीं, बल्कि लक्ष्य आधारित पढ़ाई, दृढ़ संकल्प और परिस्थितियों को स्वीकार कर आगे बढ़ना ही सफलता का मूल मंत्र है। उन्होंने विराट कोहली के कठिन समय में अद्भुत समर्पण का उदाहरण देकर समझाया कि कठिनाइयाँ जीवन में ऊँची छलांग लगाने की तैयारी करवाती हैं। श्री चौधरी ने युवाओं को सलाह दी कि अपनी क्षमता को पहचानें और उसके अनुसार करियर चुनें। योजना बनाकर, धैर्य और परिश्रम के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ें। छात्रों को संबोधित करते हुए पद्मश्री आनंद कुमार ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखने वाला व्यक्ति जीवन में अवश्य सफल होता है। उन्होंने अपने संघर्षपूर्ण जीवन की प्रेरक यात्रा साझा करते हुए बताया कि पिता के निधन के बाद उन्हें आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा, पापड़ बेचने पड़े और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में चयन होने के बावजूद वे आर्थिक परिस्थितियों के कारण नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि सुविधाओं का अभाव सफलता में बाधा नहीं, बल्कि संघर्ष करने की प्रेरणा है। जो भी काम करो, उसे सर्वश्रेष्ठ तरीके से करो, मेहनत में कमी मत आने दो। उन्होंने सुपर-30 के विद्यार्थियों अभिषेक राज, शशि नारायण और निधि झा जैसी सफल प्रेरक कहानियाँ उदाहरण स्वरूप साझा कीं। उन्होंने कहा कि अवसरों की कमी का रोना न रोएँ, बल्कि अवसर स्वयं बनाएँ। संघर्षों को सफलता की सीढ़ी बनाएँ। अंत में उन्होंने कहा कि जीवन में बड़ा बनने के लिए जन्म से नहीं, कर्म और संकल्प से पहचान बनती है। कोई भी साधारण शुरुआत असाधारण सफलता का आधार बन सकती है।

कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का मंच पर सम्मान किया गया। पुसौर और खरसिया विकासखण्ड के बच्चों ने पहली बार सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार को देखा और उनकी बातों को तन्मयता से सुना। उनके प्रेरक विचारों के दौरान सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने कार्यक्रम से प्रेरणा प्राप्त की। महापौर जीवर्धन चौहान, नगर पंचायत पुसौर के अध्यक्ष मानी मोहित सतपथी, जनपद पंचायत अध्यक्ष हेमलता चौहान, उमेश अग्रवाल, लक्ष्मी जीवन पटेल, बृजेश गुप्ता, जैमिनी गुप्ता, संदीप पंडा, प्रवीण द्विवेदी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर कदम प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छ, हरित एवं सतत ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने में रायगढ़ जिला प्रदेश में अग्रणी बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन एवं जन-जागरूकता के सफल प्रयास के परिणामस्वरूप जिले के नागरिक योजना में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

कलेक्टर रायगढ के मार्गदर्शन में जिले में योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों में लोगों को योजना के लाभों से अवगत कराया जा रहा है। योजना की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब तक जिले में 750 से अधिक घरों में सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं, वहीं योजना आरंभ होने से अब तक 3,252 लोगों ने आवेदन किया है। केवल पिछले एक माह में ही 226 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसी अवधि में 44 घरों में सौर पैनल इंस्टॉल किए जा चुके हैं, जिससे लाभार्थियों को बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी का लाभ मिलने लगा है।

विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि योजना के तहत 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है। साथ ही बैंक के माध्यम से आसान किश्तों पर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे इच्छुक लाभार्थियों के लिए सोलर प्लांट स्थापित करना और भी सरल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह योजना लोगों को न सिर्फ बिजली बिल में राहत पहुँचा रही है, बल्कि अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर आमदनी का भी अवसर प्रदान करती है। योजना से लाभान्वित ग्रामीण एवं नगरीय नागरिकों ने बताया कि सोलर प्लांट लगाने के बाद प्रतिमाह 4,000 से 5,000 रुपये तक की बचत हो रही है, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक नागरिकों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ उठाकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक लाभ की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएँ।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 1 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 120 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 30 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 15 हजार रुपए सब्सिडी प्रदान करती है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शराब तस्करी के अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा

जशपुर। जशपुर जिले की पुलिस ने शराब तस्करी के अंतरराज्यीय नेटवर्क पर एक और बड़ी चोट करते हुए हरियाणा निवासी कुख्यात तस्कर कर्ण उर्फ बाबू शर्मा (38), ग्राम थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को जशपुर पुलिस की विशेष टीम हरियाणा से पकड़कर लाई। यह कार्रवाई तब संभव हो सकी जब पुलिस ने अगस्त माह में शराब तस्करी कर रहे एक ट्रक के चालक चिमा राम के मोबाइल डेटा की गहराई से जांच की। जांच में यह महत्वपूर्ण सुराग सामने आया कि तस्करी में उपयोग हो रहे ट्रकों में रास्ते में भरवाए जाने वाले डीजल का भुगतान हरियाणा से ऑनलाइन किया जाता था। पेमेंट गेटवे को ट्रेस कर पुलिस सीधे आरोपी कर्ण शर्मा तक पहुंची। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देश पर तत्काल एक टीम हरियाणा रवाना की गई, जिसने आरोपी को उसके गांव से हिरासत में लेकर जशपुर लाया। पूछताछ में कर्ण ने स्वीकार किया कि वह 2023 में सोनीपत की एक शराब दुकान में सेल्समैन था। वहीं उसकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से हुई जो पंजाब और चंडीगढ़ से अवैध अंग्रेजी शराब को दिल्ली और आगे बिहार तक खपाता था। बाद में दुकान बंद होने पर कर्ण अपने गांव लौट आया और ऑनलाइन लेन-देन का काम करने लगा। इसी दौरान पुराने परिचित तस्कर ने उससे संपर्क कर तस्करी में प्रयोग होने वाले ट्रकों के डीजल का भुगतान करवाना शुरू किया। पेट्रोल पंपों के क्यूआर कोड उसे व्हाट्सऐप पर भेजे जाते और वह भुगतान कर देता, जिसके एवज में उसे कमीशन मिलता था। पुलिस ने उस मुख्य तस्कर की पहचान भी कर ली है और उसकी तलाश जारी है। जशपुर पुलिस द्वारा पिछले कुछ महीनों में की गई लगातार कार्रवाइयों से तस्करी नेटवर्क काफी हद तक कमजोर पड़ा है। कुल मिलाकर पुलिस अब तक चार ट्रकों से 24,440 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जप्त कर चुकी है और पांच आरोपी न्यायिक रिमांड पर जेल भेजे जा चुके हैं।

रेंज स्तरीय बैठक में आईजी ने दिए सख्त निर्देश

भिलाई। दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग ने 25 नवंबर को रेंज स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में 'इन्वेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल ऑफेंस' पोर्टल के अंतर्गत दर्ज मामलों की प्रगति का विस्तार से अवलोकन किया गया। इस दौरान आईजी गर्ग ने कहा कि महिला व बच्चों से जुड़े अपराधों में तुंरत और प्रभावी कार्रवाई पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अत: सभी लंबित मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आईजी ने निर्देश दिया कि महिला अपराधों से संबंधित प्रकरणों में चालान न्यायालय में निर्धारित समयावधि के अंदर प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जांच में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। दिसंबर महीने तक रेंज स्तर पर अधिकतम लंबित मामलों के निराकरण का लक्ष्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आईटीएसएसओ पोर्टल पर दर्ज प्रत्येक केस की प्रगति नियमित रूप से अपडेट होनी चाहिए, ताकि जांच की गुणवत्ता और पारदर्शिता दोनों बनी रहे। बैठक में आईटीएसएसओ पोर्टल के माध्यम से की जा रही केस-ट्रैकिंग, जांच प्रक्रिया और तकनीकी क्रियान्वयन से जुड़े बिंदुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पोर्टल में दर्ज मामलों की समीक्षा साप्ताहिक रूप से की जाए, ताकि किसी भी स्तर पर जांच में शिथिलता न आने पाए। आईजी रामगोपाल गर्ग ने मंगलवार को कार्यालय में रेंज स्तरीय समीक्षा बैठक की। इसमें इन्वेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल ऑफेंस, (आईटीएसएसओ) पोर्टल के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों की प्रगति देखी और महिला संबंधी अपराधों के त्वरित और प्रभावी निराकरण पर जोर दिया। आईजी ने निर्देशित किया कि महिला अपराधों में चालान को न्यायालय में निर्धारित समय में प्रस्तुत किया जाए और अनावश्यक देरी से बचते हुए सभी लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत किया जाए।

भुइयां पोर्टल में छेड़छाड़ कर बैंक को लगाया 36 लाख का चूना, तहसीलदार की शिकायत पर 7 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी नगर थाना क्षेत्र में भुइयां पोर्टल में दस्तावेजों से छेड़छाड़ कर फर्जी तरीके से स्टेट बैंक से 36 लाख रुपए लोन लिया गया। लोन लेने के बाद दूसरों के खातों में रुपए भी ट्रांसफर कर दिए। जब मामला तहसीलदार तक पहुंचा तो उनके होश उड़ गए। इस मामले में तहसीलदार की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया। इस मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है।

मिली जानकारी के अनुसार तहसीलदार राधेश्याम वर्मा 13 अगस्त को थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि पटवारी हल्का नंबर 16 के ग्राम अछोटी एवं मुरमुदा तहसील अहियारा जिला दुर्ग के भुईया साप्टवेयर में अज्ञात आरोपियों द्वारा उक्त साष्टवेयर को हैक कर छेड़छाड़ कर फर्जी तरीके से भारतीय स्टेट बैंक शाखा नंदिनी नगर से 36 लाख का लोन ले लिया।

जांच के दौरान बैंक से रकम निकालने वाले आरोपी दिनुराम यादव पिता सूरज राम यादव साकिन 818, पप्पु किराना स्टोर के पास अमरपुरी सुंदर नगर वार्ड रायपुर सिलतरा व एसराम बजारे पिता बुधराम बंजारे साकिन अछोटी एवं अन्य के द्वारा षडयंत्र पूर्वक अवैध लाभ अर्जित करने के लिए आनलाइन राजस्व अभिलेख में छेडछाड़ कर नये खसरा नंबर का बटांकन कर नया खसरा नंबर दर्ज किया गया। इस मामले में धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 3(5) बीएनएस 60 सी आईटी एक्ट का पाए जाने से अपराध पंजीकर कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना दौरान प्राप्त दस्तावेज एंव साक्ष्य के आधार पर मुख्य आरोपी दीनुराम यादव के द्वारा बैंक के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी तरीके से लोन 36 लाख रुपए निकाल

कर उक्त रकम को विभिन्न खाते में तुरंत हस्तांतरण कर दिया गया। जिसमें से 20 लाख 26 लाख 547 रुपए रुपए नंदकिशोर साहू निवासी मकान 04 बी, सडक नंबर 33 सेक्टर 5 के खाते में आया। आरोपियों द्वारा ग्राम मुरमुन्दा, अछोटी, बोरसी, चेटूया में लगे जमीन का बटांकन कर छेडछाड किया गया। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शासकीय जमीनों का खसरा, रकबा बढ़ा कर विभिन्न बैंको से लोन लेकर आर्थिक लाभ लेने ऑन लाईन भुईया पोर्टल में छेड छाड करने की शिकायत पर धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस 66 आईटी एक्ट पंजीबद्ध कर प्रकरण की विवेचना की जा रही है।

विवेचना के दौरान प्रकरण में पूर्व में आरोपी एनके साहू अमित कुमार मौर्य, गणेश प्रसाद तम्बोली को गिरफ्तार किया गया था। उक्त आरोपियों से पूछताछ पर पता चला कि अशोक उराय, द्वारा पटवारी का यूर्जर आईडी एवं पासवार्ड एवं ओटीपी प्रदाय किया जाता था। पता चलने पर अशोक उराव निवासी बाराद्वारा शक्ति का पता-तलाश कर गिरफ्तार किया गया जिसने अपने पूछताछ में बताया कि मुरमुन्दा पटवारी के साथ सहायक का काम करने वाले नाबालिग को आरोपी संजय वर्मा द्वारा प्रलोभन देकर मुरमुन्दा पटवारी का यूजर आईडी एवं पासवर्ड मांग कर शासकीय जमीनों में छेड़छाड़ कर फर्जी दस्तावेज के आधार पर बैंक से लोन लेते थे। आर्थिक लाभ के लिए रायपुर के रहने वाले कोमल साहू के माध्यम से कौशल फेकर, ओम प्रकाश निषाद, देवानंद साहू, शिवचरण कौशल को भूईया साफ्टवेयर में काम कारने हेतु कम्प्यूटर आपरेटर की तलाश करवा कर उसे पाटवारी का मूर्जर आईडी एवं पासवार्ड ओटीपी देकर ऑनलाईन पोर्टल में छेड़खानी कराते थे। आरोपी शिवचरण कौशल के विरूद्ध इसी तरह के अन्य प्रकरण में चौकी कोरबी, थाना पसान, जिला कोरबा में अपराध पंजीबद्ध है। प्रकरण में आरोपीगणों द्वारा संगठित होकर षडयंत्र रच कर घटना को अंजाम देकर शासन को क्षति पहुंचाया जो संगठित अपराध की धारा 111 (2) एवं 61 (2) बीएनएस की धारा लगाकर आरोपीगणों को गिरफ्तार किया जा कर ज्यूडिसियल रिमाण्ड पर पेश किया गया। आरोपी अशोक उराव के निशानदेही पर प्रकरण के अन्य ओरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

1. अशोक उरांप, उम्र 44 साल, जांजगीर चांपा
2% कौशल फेकर, उम्र 50 साल, रायपुर
3. शिवचरण कौशल, उम्र 55 साल, रायगढ़
4. ओम प्रकाश निषाद, उम्र 40 साल, रायपुर
5. कोमल साहू, उम्र 44 साल, रायपुर
6. देवानंद साहू, उम्र 32 साल. रायपुर

कवर्धा में तेज रफ्तार ट्रक घर में जा घुसी केबिन में फंसा ड्राइवर, हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कवर्धा जिले में एक तेज रफ्तार ट्रक घर में जा घुसी। हादसा छीरहा चौक में रायपुर जबलपुर नेशनल हाईवे में 25 नवंबर को हुआ। ट्रक वाइट सीमेंट से भरी थी। रफ्तार तेज थी। अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक घर और कार्यालय में जा घुसी। हालांकि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन ट्रक ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाय को बचाने के चक्कर में ट्रक अचानक मुड़ा और घर में जा घुसा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक कवर्धा से रायपुर की दिशा में जा रही थी। इसी दौरान सड़क पर अचानक गाय आ गई, जिसे बचाने के लिए चालक ने अचानक ट्रक मोड़ा। जिससे ट्रक अनियंत्रित हो गया और संतुलन बिगड़ गया। तेज रफ्तार ट्रक सीधा छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन के कार्यालय के दरवाजे

और नजदीक के घर की दीवारों को तोड़ते हुए घर में घुस गई। हादसे के वक्त कार्यालय में मौजूद दो व्यक्तियों को भी हल्की चोट लगी है।

वही ट्रक चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया था। उसे बाहर निकालने के लिए स्थानीय नागरिकों और पुलिस टीम ने काफी मशक्कत के बाद निकाल पाये। चालक को केबिन के हिस्से को काटकर निकाला गया। हादसे के बाद ट्रक पलट गया और ट्रक में लोड व्हाइट सीमेंट बुरी तरह सड़क पर फैल गया। घायल ट्रक चालक को जिला चिकित्सालय कवर्धा में भर्ती कराया गया है।

ट्रक-स्कॉर्पियो की टक्कर में 5 की मौत, बारात से लौट रहे थे स्कॉर्पियो सवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम सुकली में नेशनल हाईवे 49 पर देर रात ट्रक और स्कॉर्पियो के बीच आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ा, जबकि तीन ने इलाज के दौरान जान गंवाई। हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में शामिल राजेंद्र कश्यप (27) और पोमेश्वर जलतारे (33) इंडियन आर्मी के जवान थे।

घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें बिलासपुर सिम्स

रेफर किया गया। वहां तीनों का इलाज जारी है। सभी मृतक नवागढ़ के सड़क पारा और शांति नगर के रहने वाले हैं। ये सभी एक बारात से नवागढ़ लौट रहे थे, तभी सुकली के पास यह दर्दनाक हादसा हो गया। मृतकों में विश्वनाथ देवांगन (43 वर्ष), राजेंद्र कश्यप (27 वर्ष), पोमेश्वर जलतारे (33 वर्ष), भूपेंद्र साहू (40 वर्ष) व कमलनयन साहू (22 वर्ष) शामिल हैं। हादसे में घायल सत्य नारायण साहू (35), संतोष साहू (30), दीपक केवट (25) तीनों को बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही, मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम करने की तैयारी भी चल रही है।

श्रीनगर, सिक्किम में पोस्टेड थे जवान

मृतकों में शामिल राजेंद्र कश्यप श्रीनगर में पोस्टेड थे और अपनी शादी के लिए छुट्टी पर आए थे। उनकी शादी 18 नवंबर को हुई थी। पोमेश्वर जलतारे की पोस्टिंग सिक्किम में थी, जो 12 नवंबर को एक महीने की छुट्टी पर नवागढ़ आए थे। उन्हें 8 दिसंबर को लौटना था। पोमेश्वर की शादी को पांच साल हो चुके थे और उनका तीन साल का एक बेटा है। जान गंवाने वाले सभी पांच लोग एक ही मोहल्ले के रहने वाले थे। दोस्त जयराम देवांगन की शादी में पंतोरा बारात में शामिल हुए थे। बारात से लौटते समय मंगलवार देर रात हादसा हो गया।

नारायणपुर में 28 नक्सलियों का सरेंडर, 22 पर था 89 लाख का इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मंगलवार को 28 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सरेंडर करने वाले 28 माओवादियों में 22 पर कुल 89 लाख रुपये का इनाम था। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि 19 महिलाओं 28 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। आईजी ने बताया कि माओवादी राज्य सरकार की 'नियाद नेल्लनार' स्कीम, नई सरेंडर और रिहैबिलिटेशन पॉलिसी और 'पूना मरघम (सोशल रीइंटीग्रेशन के लिए रिहैबिलिटेशन) से प्रभावित होकर सरेंडर किया है।

सरेंडर करने वालों में से चार हार्डकोर कैडर - पंडी ध्रुव उर्फ दिनेश (33), दुले मंडावी उर्फ मुन्नी (26), छत्तीस पोयम (18), और पदनी ओयम (30) चारों

माओवादियों ईस्ट बस्तर डिविजन की मिलिट्री कंपनी नंबर 6 के मेंबर हैं - जिन पर 8-8 लाख रुपये का इनाम था वहीं लखमू उसेंडी (20), सुकमती नुरेती (25), सकीला कश्यप (35), शंबत्ती शोरी (35), चैते उर्फ रजिता (30) और बुधरा रावा (28) सभी एरिया कमेटी मेंबर हैं जिन पर 5-5 लाख रुपये का इनाम था।

आईजी ने बताया कि पिछले 50 दिनों में, नारायणपुर समेत सात जिलों वाले बस्तर रेंज में 512 से ज़्यादा माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है और मेनस्ट्रीम में शामिल हो गए हैं। नारायणपुर के पुलिस सुपरिटेंडेंट रॉबिन्सन गुरिया ने कहा कि इस सरेंडर के साथ, कुल 287 माओवादी कैडरों ने हिंसा छोड़ दी है। और इस साल अब तक जिले में मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। इससे पहले सुकमा में 48 लाख के इनामी 15 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इनमें चार नक्सली बटालियन नंबर-1 के सदस्य थे जिसे संगठन की सबसे मजबूत और रणनीतिक बटालियन माना जाता है।

अमर उजाला की टीम से बातचीत में आत्मसमर्पित बटालियन सदस्य ने खुलासा किया कि हिड़मा के मारे जाने और लगातार चल रहे सुरक्षा बलों के ऑपरेशन से बटालियन की स्थिति बुरी तरह कमजोर हो चुकी है। उसके अनुसार शीर्ष नेतृत्व डगमगा गया है, जंगलों में दबाव बढ़ रहा है और इसी कारण बड़ी संख्या में नक्सली संगठन छोड़कर वापस लौट रहे हैं।

साइबर ठगी के 16 आरोपी पकड़ाए:म्यूल बैंक खातों में मिले फ्रॉड के लाखों रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में साइबर धोखाधड़ी से जुड़े एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए पुलिस ने 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र (आई4सी) के समन्वय पोर्टल से मिली जानकारी के आधार पर की गई।

पोर्टल पर आए अलर्ट में संकेत मिला था कि कर्नाटक बैंक, मोहन नगर शाखा के 22 बैंक खातों में लगभग 11 लाख रुपए साइबर ठगी से हासिल राशि के रूप में जमा किए गए हैं।

जांच में सामने आया कि यह रकम अलग-अलग ऑनलाइन साइबर अपराधों के माध्यम से पीड़ितों से ठगी कर इन खातों में ट्रांसफर की गई थी।

खाताधारकों और परिचालकों के इस धनराशि का उपयोग व्यय, निकासी और आगे संवर्धन के लिए किया था। समन्वय पोर्टल से मिले डेटा के आधार पर पुलिस ने इन खातों को चिन्हित किया और खाताधारकों की पहचान शुरू की। मोहन नगर थाना प्रभारी के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण, बैंक खाते की ट्रांजैक्शन हिस्ट्री, मोबाइल नंबरों की जांच और साइबर सेल की सहायता से आरोपियों को पकड़ा।

स्कूली छात्रा ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में लिखा- प्रिंसिपल करता था बैड टच

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में 9वीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। स्कूल के प्रिंसिपल की काली करतूतों से परेशान छात्रा ने अपनी जान दे दी। मरने से पहले छात्रा ने एक सुसाइड नोट छोड़ा जिसमें अपनी आपबीती लिखी। छात्रा ने लिखा कि जिस दुनिया में लड़कियों की इज्जत नहीं, उस दुनिया में जी कर क्या करुंगी।

फिलहाल इस मामले में पुलिस ने एक्शन लिया और आरोपी प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं पुलिस की जांच में आरोपी प्रिंसिपल के खिलाफ कई चौंकाने वाले खुलासे भी हुए हैं। मामला बगीचा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार 23 नवंबर को थाना बगीचा क्षेत्रांतर्गत एक निजी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो ने थाना बगीचा में सूचना दी। उसने बताया कि स्कूल की कक्षा 09 वीं की 15 वर्षीय छात्रा ने स्कूल के स्टडी रूम में शाम करीबन 5 से 6 बजे के बीच साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। प्रिंसिपल कुलदीप ने बताया कि उसने स्टाफ की सहायता से फंदे में लटकी छात्रा को उतारकर, इलाज हेतु शासकीय हॉस्पिटल बगीचा लाया गया जहां डॉक्टरों मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर मर्ग कायम कर जांच विवेचना में लिया गया। पुलिस के द्वारा फोरेंसिक एक्सपर्ट, सीन ऑफ क्राइम के अधिकारी सलीम कुजूर व वीडियो ग्राफर नवीन प्रजापति तथा गवाहों की

उपस्थिति में शव पंचनामा की कार्यवाही की गई। छात्रा के शव के पंचनामा के दौरान पुलिस के द्वारा मृत छात्रा के पहने कपड़े की तलाशी ली गई तो उसकी जेब से दो पन्नों का सुसाइड नोट मिला।

जिसमें मृत छात्रा के द्वारा स्कूल के प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो को एक नीच इंसान होना, कुलदीप द्वारा सभी लड़कियों से गलत व्यवहार करना, लड़कियों के साथ गलत टच करना, कमर पकड़ना, प्राइवेट पार्ट्स को छूना आदि का जिक्र किया था। छात्रा ने इसी वजह से आत्महत्या की बात लिखी।

छात्रा ने सुसाइड नोट में कुछ सहेलियों का नाम भी उल्लेखित किया था। पुलिस के द्वारा सुसाइड नोट को गवाहों के समक्ष, परिजनों को दिखाया गया, जिनके द्वारा पुष्टि की गई कि उक्त लिखावट मृतिका छात्रा की ही है। मृतक छात्रा के शव के पंचनामा के पश्चात पुलिस के द्वारा मृतक छात्रा की डॉक्टर से पोस्ट मार्टम कराया गया, जिसकी वीडियोग्राफी भी की गई है। जांच के दौरान पुलिस के द्वारा जब निजी स्कूल के अन्य शिक्षक स्टॉफ व अध्ययनरत छात्राओं से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि जब छात्रा स्कूल के कक्षा 12 वीं में झाड़ू लगा रही थी। इसी दौरान प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो के द्वारा गलत नियत से उसके कमर को छुआ गया था, जिससे वह अत्यंत दुखी थी, घटना के संबंध में रो रो कर उनको बताई थी। घटना के संबंध में किसी को बताने पर प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो के द्वारा स्कूल से निकालने की बात भी कही गई थी।

विवेचना के दौरान पुलिस के द्वारा स्कूल स्टॉफ व अध्ययनरत छात्राओं के कथन के आधार पर, स्कूल के प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो के विरुद्ध मृत छात्रा के सुसाइड नोट में लगाये गए आरोप की पुष्टि होने पर, पुलिस के द्वारा प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो के विरुद्ध थाना बगीचा में 74,108 व जे जे एक्ट की धारा 75 तथा 08 पॉस्को एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, आरोपी प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो को गिरफ्तार कर, न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि आरोपी प्रिंसिपल को अपराध कायमी के पश्चात गिरफ्तार कर लिया गया है, सुसाइड नोट में आए तथ्यों के आधार पर आगे की विवेचना की जाएगी।

इन्वेस्टर कनेक्टः छत्तीसगढ़ को मिले 6800 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव, उद्योग और पर्यटन को मिलेगा बूस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व निवेश प्रस्ताव मिले। स्टील, ऊर्जा और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने राज्य में उद्योग स्थापित करने, क्षमता विस्तार, होटल निर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए रुचि दिखाई। कार्यक्रम में शामिल कंपनियों ने कुल 6321.25 करोड़ के औद्योगिक निवेश और 505 करोड़ का पर्यटन निवेश का प्रस्ताव दिया है। इन परियोजनाओं से आगामी वर्षों में 3,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस निवेश प्रस्ताव के साथ अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 7.90 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ देश का सबसे भरोसेमंद और तेजी से उभरता औद्योगिक गंतव्य- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

पर्यटन क्षेत्र में मिले 505 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

दिल्ली स्थित होटल द ललित में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में स्टील और टूरिज़्म सेक्टर को केंद्र में रखते हुए नए निवेश अवसरों पर फोकस किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उद्योग जगत के प्रमुख निवेशकों, विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की एवं स्टील और टूरिज़्म सेक्टर की कई कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र सौंपे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, भारत सरकार के केमिकल और उर्वरक मंत्रालय के सचिव अमित अग्रवाल, इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंडरिक भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश के सबसे भरोसेमंद, स्थिर और तेज़ी से उभरते हुए औद्योगिक गंतव्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऊर्जा, खनिज, सक्षम मानव संसाधन और निवेशक-हितैषी नीति का ऐसा संयोजन मौजूद है, जो किसी भी उद्योग के लिए अत्यंत उपयुक्त वातावरण तैयार करता है।

उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम के तहत अनुमतियाँ अब पहले की तुलना में अधिक तेज़ी और पारदर्शिता के साथ जारी हो रही हैं। छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाना आज पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। राज्य में कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, टिन, लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की उपस्थिति बड़े औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित 'एनर्जी समिट' में राज्य को साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और कई परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ भी हो चुका है।

मुख्यमंत्री साय ने स्टील सेक्टर का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ देश का स्टील हब है, जहां भिलाई स्टील प्लांट, नगरनार स्टील प्लांट और एमएसएमई आधारित स्टील इकाइयां राज्य की औद्योगिक पहचान को मजबूती प्रदान कर रही हैं।

उन्होंने कहा भिलाई स्टील प्लांट पिछले 70 वर्षों से देश की औद्योगिक प्रगति का स्तंभ रहा है और इसकी उपस्थिति ने स्टील आधारित उद्योगों का प्राकृतिक इकोसिस्टम तैयार किया है। ग्रीन स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य राज्य के लिए नए अवसर लेकर आया है और छत्तीसगढ़ इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। टूरिज़्म सेक्टर पर बात करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर आज बहुत बदल रहा है। नक्सल हिंसा में कमी आई है, सड़कें, इंटरनेट और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब निवेश और पर्यटन दोनों का नया केंद्र बन रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि 26 मार्च 2026 तक बस्तर पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है और राज्य सरकार होम-स्टे नीति, ट्राइबल टूरिज्म व सस्टेनेबल टूरिज्म पर फोकस कर रही है। इस अवसर पर सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव रोहित यादव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, संचालक प्रभात मलिक, सीएसआईडीसी के महाप्रबंधक विश्वेश कुमार, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य, इन्वेस्टमेंट कमिश्नर श्रीमती ऋतु सेन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यटन क्षेत्र में मिले 505 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

- पीएसए रिज़ॉर्ट, जगदलपुर द्वारा 150 कमरों के एडवेंचर होटल एवं रिसॉर्ट हेतु 60 करोड़ निवेश, जिससे बस्तर में पर्यटन गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। इससे 200 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।
- मार्स विवान प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर द्वारा 217 कमरों वाले होटल के लिए 220 करोड़ निवेश इससे 522 लोगों को रोजगार प्राप्त होगी।

हार्टफु लनेस इंस्टीट्यूट, तेलंगाना द्वारा वेलनेस रिसॉर्ट
- एवं शिक्षा केंद्र हेतु 200 करोड़ निवेश
- विद्या इन, जशपुर द्वारा 52 कमरों के होटल हेतु 25 करोड़ निवेश

छत्तीसगढ़ को मिले प्रमुख निवेश प्रस्ताव

- ग्रीन एनर्जी इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने कचरे से बिजली उत्पादन करने वाले 50 मेगावॉट के वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की स्थापना के लिए 3,769 करोड़ का निवेश प्रस्तावित किया है, जिससे 150 लोगों को रोजगार मिलेगा। यह प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ में कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।
- आरती कोटेड स्टील द्वारा 315 करोड़ निवेश प्रस्ताव दिया गया है, एवं 550 रोजगार सृजन की संभावना है।
- एसडीआरएम मेटैलिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्टील प्लांट एवं पावर यूनिट के लिए ?195.75 करोड़ का निवेश प्रस्ताव दिया है, जिससे रोजगार 492 रोजगार सृजन की संभावना है।
- आरएसएलडी बायोफ्यूल प्राइवेट लिमिटेड, चंडीगढ़ द्वारा इथेनॉल प्लांट हेतु 200 करोड़ का निवेश प्रस्ताव दिया है, एवं 213 रोजगार सृजन की संभावना है।
- जे.के. लक्ष्मी सीमेंट, राजस्थान द्वारा क्षमता विस्तार हेतु 1816.5 करोड़ से अधिक निवेश प्रस्ताव, 110 रोजगार सृजन
- अरमानी ऑफ इंडस्ट्रीज़, रायपुर द्वारा मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माण हेतु 25 करोड़ का प्रस्ताव, जिससे 200 युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा।

जेके लक्ष्मी सीमेंट ने छत्तीसगढ़ में विस्तार और नए निवेश अवसरों में दिखाई रुचि

रायपुर। छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उद्योग जगत के निवेशकों के साथ वन-टू-वन मुलाक़ातें नई दिल्ली में प्रारम्भ हो गई हैं। कार्यक्रम के प्रथम चरण में जेके लक्ष्मी सीमेंट के शीर्ष अधिकारी मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे और छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विस्तार की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मुलाक़ात के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में अपने प्लांट का कार्य बढ़ाने तथा नए निवेश अवसरों की खोज में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उपलब्ध आधारभूत सुविधाएँ, वित्तीय अनुकूल वातावरण और औद्योगिक विकास की गति उन्हें छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करती हैं।

मुख्यमंत्री साय ने निवेशकों को राज्य की नई औद्योगिक नीति, स्थिर एवं सुरक्षित वातावरण तथा तेज़ी से विकसित हो रहे औद्योगिक ढांचे की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार उद्योगों के लिए विश्वसनीय, सरल और परिणामोन्मुखी परिवेश प्रदान कर रही है, जिससे निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने जेके लक्ष्मी सीमेंट के अधिकारियों को आश्वस्त किया कि सरकार उद्योगों अनुकूल परिवेश प्रदान करने की भावना से कार्य कर रही है और राज्य में आने वाले हर निवेश का स्वागत है। उन्होंने कंपनी को प्रदेश में अपने विस्तार को आगे बढ़ाने तथा नई परियोजनाओं पर विचार करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्य में उद्योगों के लिए सिंगल-विंडो सिस्टम, उपयुक्त भूमि उपलब्धता, लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी, और कौशल सम्पन्न मानव संसाधन जैसी सुविधाएँ निवेशकों के लिए एक बड़ा आकर्षण हैं।

एपीएल अपोलो इंडस्ट्रीज ने छत्तीसगढ़ में 1200 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एपीएल अपोलो इंडस्ट्रीज ग्रुप के चेयरमैन संजय गुप्ता ने अपनी टीम के साथ नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाक़ात की। मुलाक़ात के दौरान कंपनी ने राज्य में लगभग 1200 करोड़ के औद्योगिक निवेश का बड़ा प्रस्ताव सरकार के समक्ष रखा।

कंपनी ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि वह छत्तीसगढ़ में उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नए औद्योगिक संयंत्रों की स्थापना पर गंभीरता से काम कर रही है। निवेश प्रस्ताव राज्य की नई औद्योगिक नीति और तेज़ी से विकसित हो रहे औद्योगिक बुनियादी ढांचे को देखते हुए पेश किया गया है।

बैठक में एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल की घोषणा भी की गई। एपीएल अपोलो ग्रुप ने बताया कि वह छत्तीसगढ़ में 100 बिस्तरों का एक आधुनिक चैरिटी अस्पताल भी जल्द शुरू करेगा, जिससे आम जनता को किफ़ायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकेंगी।

माकड़ी ब्लॉक में 100 पीएम सूर्य घर का सफल इंस्टालेशन

रायपुर। सोलर उर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। कोंडागांव जिले का माकड़ी ब्लॉक आज पूरे बस्तर संभाग में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया केन्द्र बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर सोलर विज़न को वास्तविक रूप देने वाली पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने इस क्षेत्र में न केवल सुलभ ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित की है, बल्कि इससे ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव आया है। डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर मॉकडी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 100 घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम को सफलतापूर्वक ग्रिड से सिंक्रोनाइज करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है।

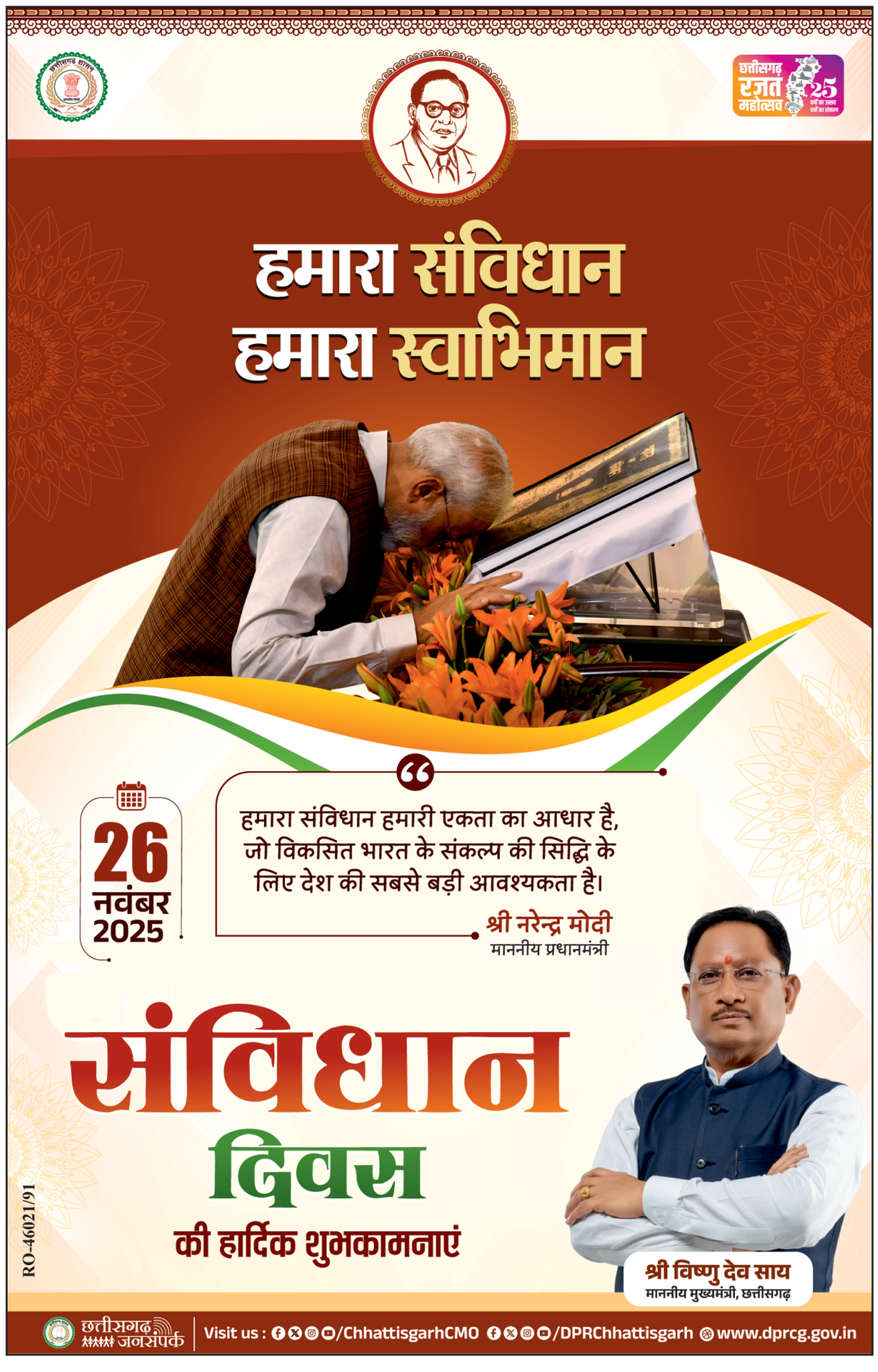

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की सौजन्य मुलाकात

छत्तीसगढ़ में रेल सुविधाओं के विस्तार, नए प्रोजेक्ट्स की प्रगति और प्रगतिरत परियोजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ में रेल सुविधाओं के विस्तार, नए प्रोजेक्ट्स की प्रगति और चल रही परियोजनाओं के शीघ्र पूर्ण करने से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि राज्य में स्वीकृत सभी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाए, ताकि नागरिकों, उद्योगों और व्यापार जगत को बेहतर, तेज़ और सुरक्षित परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। रेल मंत्री वैष्णव ने मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए बिंदुओं का स्वागत करते हुए कहा कि रेलवे मंत्रालय छत्तीसगढ़ में कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए क्रियाशील है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत एवं वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल विकास अभूतपूर्व गति से हो रहा है और डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश का रेल नेटवर्क एक नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने बताया कि रायपुर जबलपुर एक्सप्रेस की शुरुआत से पर्यटन, व्यापार और शिक्षा को नई ऊर्जा प्राप्त हुई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2014 से 2030 के बीच राज्य में रेल लाइन का विस्तार दोगुना होने जा रहा है, जबकि 1853 से 2014 तक मात्र 1100 किलोमीटर का विस्तार हो सका था। पिछले दस वर्षों में राज्य के रेल बजट में 22 गुना वृद्धि और वर्ष 2025-26 में 6,925 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक आवंटन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए इस परिवर्तन का सशक्त प्रमाण है।

राज्य में 47,447 करोड़ रुपये से अधिक की कई प्रमुख रेल परियोजनाएँ तेज़ी से आगे बढ़ रही हैं। खरसिया- नवा रायपुर- परमालकसा, गेवरा-पेंड्रा, रावघाट- जगदलपुर, खरसिया-धरमजयगढ़ तथा बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी लाइन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएँ छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को नई ऊँचाई प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग सहित प्रदेश के 32 रेलवे स्टेशनों का आधुनिक पुनर्विकास भी तीव्र गति से जारी है, जिससे यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से छत्तीसगढ़ आने वाले वर्षों में देश के सबसे महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर वाले राज्यों में शामिल होगा और कनेक्टिविटी का यह विस्तार प्रदेश की औद्योगिक, आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन क्षमता को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950